भाद्रपद शुक्ल पक्ष तृतीया संवत् 2081 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 53 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
26 अगस्त 2025
मंगलवार

आज का मौसम
27 अधिकतम
23 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

सिंधिया और नाथ पर बेबाकी लेकिन... खुद के सीएम काल पर गले नहीं उतरने वाली कैफियत

कांग्रेस के दिग्गज नेता दिग्गीराजा ने नाथ सरकार के पंद्रह महीने बाद पतन और 2023 की हार को लेकर भले ही बेबाक बयानी की हो लेकिन उन्होंने दस साल के अपने मुख्यमंत्रित्वकाल के बाद कांग्रेस के इतिहास की सबसे करारी हार को लेकर जो कारण बताए, वे आधे अधूरे सच और गले न उतरने वाली कैफियतों से भरे हुए हैं। एक पॉडकास्ट में पत्रकार मिलिंद खांडेकर के सवालों पर दिग्विजय ने कई ऐसे जवाब दिए जो सच्चाई से परे रहे। उन्होंने कहा कि संजय गांधी ने उन्हें जिम्मेदारी सौंपी थी कि गुना से निर्दलीय सांसद बने माधव राव सिंधिया को वे कांग्रेस में लेकर आएं। इसमें कोई शक नहीं कि सिंधिया 1980 का चुनाव अपनी मां विजयाराजे सिंधिया से मतभेदों के चलते कांग्रेस के टिकट पर जीते। उसके बाद वे लगातार कभी गुना तो कभी ग्वालियर से चुनाव लड़े और जीतते भी रहे। लेकिन इसमें दिग्विजय सिंह का कितना हाथ था, इसको लेकर संशय आम से लेकर खास कांग्रेसियों के बीच सदा बना रहा। लेकिन, यह सच्चाई है कि जब लोकसभा में 416 के बहुमत वाले कांग्रेसी प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने 1988 में माधवराव सिंधिया को मुख्यमंत्री बनाने की कोशिश की तो उनकी कोशिशों को तत्तकालीन मुख्यमंत्री अर्जुन सिंह और दिग्विजय सिंह के धड़े ने परवान नहीं चढ़ने दिया। उनकी जिद के सामने राजीव गांधी को झुकना पड़ा और समझौता उम्मीदवार के बतौर मोतीलाल वोरा दोबारा मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री बने। दिग्गीराजा ने अपनी सरकार की माली हालत खराब होने के सवाल के जवाब में एक बात कही। वह यह कि उस समय केंद्र से राज्यों को केंद्रीय करों के बतौर राज्यों से प्राप्त रकम के हिस्से में से 28 फीसदी रकम ही मिलती थी। लेकिन 2004 में मनमोहन सिंह के प्रधानमंत्रित्वकाल में यह रकम 42 फीसदी की गई। जबकि हकीकत यह है कि जब यह हुआ तब तक उनकी सरकार चुनाव हारकर सत्ता से बाहर हो चुकी थी। दरअसल राज्यों को 42 फीसदी रकम मिलने का सिलसिला मनमोहन सिंह के वक्त नहीं एनडीए की मोदी सरकार के वक्त शुरू हुआ। दिग्विजय सिंह ने 2003 में अपनी सरकार की हार के लिए राज्य की सड़कों को बड़ा कारण माना लेकिन उनका यह दावा गलत है कि केंद्र ने मप्र के हिस्से की रकम रोककर राष्ट्रीय राजमार्गों की दशा ज्यादा खराब कर दी थी। सच्चाई तो यह है कि दिग्गीराजा के कार्यकाल के दौरान प्रदेश में केवल एनएच की ही हालत ज्यादा ठीक थी। अटलबिहारी वाजपेयी के कार्यकाल में जब राजनाथ सिंह केंद्रीय सड़क मंत्री बने तब न सिर्फ पुराने राष्ट्रीय राजमार्गों को पैसा दिया गया बल्कि करीब दो हजार किलोमीटर से ज्यादा लंबी राजकीय सड़कों को राष्ट्रीय राजमार्ग के दायरे में लाकर उनकी दशा सुधारी गई।

प्रसंगवश
राजेश सिरोठिया

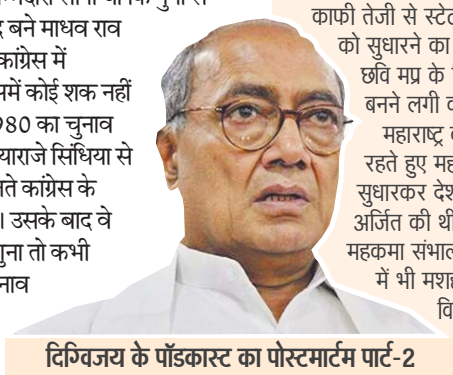

दिग्विजय के पॉडकास्ट का पोस्टमार्टम पार्ट-2

यूपीए सरकार में हुई राजमार्गों की दुर्दशा

कांग्रेस की सरकार जाने के बाद प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने काफी तेजी से स्टेट हाईवे की सड़कों को सुधारने का काम किया। उनकी छवि मप्र के नितिन गडकरी वाली बनने लगी क्योंकि गडकरी ने महाराष्ट्र के पीडब्लुडी मंत्री रहते हुए महाराष्ट्र की सड़कें सुधारकर देश भर में ख्याति अर्जित की थी। केंद्र में सड़कों का महकमा संभालने के बाद वे पूरे देश में भी मशहूर हुए। इसके विपरीत एक कड़वी सच्चाई यह भी है कि केंद्र में मनमोहन सिंह की यूपीए सरकार बनने के बाद मप्र में राष्ट्रीय राजमार्गों का सबसे ज्यादा कबाड़ा हुआ। यह काम भी तब हुआ जब कमलनाथ के हाथों में केंद्रीय सड़क परिवहन विभाग की कमान आई। ये वहीं कमलनाथ हैं जिनकी पिछले दिनों गडकरी जबलपुर में प्रदेश के सबसे लम्बे फ्लाईओवर का लोकार्पण करते हुए तारीफ करके गए हैं।

हकीकत यह थी कि राज्य की सड़कें बिगड़ने का सिलसिला तब शुरू हुआ जब तत्कालीन लोक निर्माण मंत्री स्व. हजारीलाल रघुवंशी ने स्टेट हाईवे की मरम्मत और रखरखाव का पैसा एक हजार की आबादी वाले गावों को सड़कों से जोड़ने के नाम पर डायवर्ट कर दिया। हालत यह हुई कि गांव की सड़कें भी नहीं बन सकीं और स्टेट हाई-वे की हालत बद से बदतर होती रही। मिसाल के तौर पर भोपाल से सागर की सड़क इतनी खराब हुई कि 195 किमी का सफर कार से आठ घंटे से ज्यादा वक्त में तय हो पाता था। बिलासपुर से रायगढ़ (अविभाजित मप्र) के बीच 180 किमी की दूरी आठ घंटे से ज्यादा का वक्त लेती थी। लेकिन लोनिवि मंत्री रघुवंशी यह दावा करते रहे कि वे प्रदेश की सड़कों को हेमामालिनी के गालों की तरह चिकना बना देंगे। **जारी...**

पहले चरण में जांच अधिकारियों को 1732 टैबलेट का वितरण

हाइटेक जांच.. अब पुलिसफोर्स को मिलेंगे 75 करोड़ रुपए के टैबलेट

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राज्य सरकार अब पुलिस की जांच को प्रभावी व हाइटेक बनाने के लिये जांच अधिकारियों को टैबलेट मुहैया कराने जा रही है। इसके लिये पहले चरण में 75 करोड रुपये खर्च करके टैबलेट खरीदें जाएंगे। यह योजना 25000 टेबलेट देने की है हालंकि पहले चरण में शहरी इलाकों में 1732 टैबलेट दिये जाएंगे। यह निर्णय आज राज्य मंत्रिपरिषद की बैठक में लिया गया है। मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कैबिनेट के निर्णय की जानकारी देते हुए कहा कि यह टैबलेट जांच को अधिक प्रभावी बनाने में मदद करेंगे। जांच के लिये जब पुलिस अधिकारी जाएंगे तो उनके पास टैबलेट भी होगा। खास बात यह है कि इसमें जीपीएस भी होगा और यह पुलिस महकमे में इंटरकनेक्टेग रहेगा। यानि जो जांच या रिपोर्ट लिखी जा रही है वह अन्य थानों में भी देखी जा सकेगी और संबंधित आरोपी की गिरफ्तारी आदि में सहायक होगी। पुलिस को दिये जाने वाले यह टैबलेट सीसीटीएनएस योजना के तहत होंगे।

उधर, राज्य सरकार अब इंदौर और उज्जैन के बीच मेट्रो रूट पर गंभीरता से आगे बढ़ रही है। इंदौर में मेट्रो सेवा शुरू हो चुकी है। भोपाल में मेट्रो सेवाएं अक्टूबर तक पटरी पर आने के आसार हैं। सरकार इन दोनों शहरों को मेट्रोपॉलिटन सिटी बनाने का फैसला भी कुछ समय पहले कर चुकी है। इसके लिए नगरीय प्रशासन विभाग ने खाका भी तैयार किया है तथा इस पर प्रारंभिक चर्चा भी हो चुकी है। बताया जाता मंत्रिपरिषद की बैठक में इस पर चर्चा हुई।

सीएम ने स्वदेशी पर दिया जोर

आज कैबिनेट बैठक में मुख्यमंत्री ने मंत्रियों से हालिया माइनिंग कॉन्क्लेव की उपलब्धियों, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी द्वारा रोड नेटवर्क विस्तार के लिए दी गई सौगातों तथा नए मेडिकल कॉलेजों के संबंध में जानकारी दी व कहा कि धार्मिक पर्यटन और तीर्थाटन को प्रोत्साहित करने कल उज्जैन में धार्मिक पर्यटन प्रोत्साहन पर केंद्रित विशेष कॉन्क्लेव आयोजित होगी। इसमें देश के सभी प्रमुख मठ -मंदिरों और तीर्थों के प्रबंधन व ट्रस्टीज़ को आमंत्रित किया गया है। यादव ने कहा कि स्वदेशी सामानों की खरीद पर जोर देते हुए गणेश चतुर्थी और नवरात्रि के आयोजन में स्वदेशी सामान को प्रोत्साहित करने को कहा। मूर्ति निर्माण में मिट्टी को प्राथमिकता व प्लास्टर ऑफ पेरिस को हतोत्साहित करने को कहा। किया जाए तथा सार्वजनिक धार्मिक आयोजनों में होने वाले पूजा पाठ में स्वदेशी वस्त्र और साज सज्जा की सामग्री का के उपयोग को कहा ताकि छोटे व्यापारियों को प्रोत्साहन मिले।

अब गणेश चतुर्थी पर सामान्य अवकाश

सीएम ने गणेश चतुर्थी पर प्रदेशभर में अब सामान्य अवकाश घोषित कर दिया है। इसके तहत राज्य के सभी सरकारी दफ्तर,स्कूल आदि में अवकाश होगा। उन्होंने सामान्य प्रशासन विभाग को अवकाशों व्यवस्था की समीक्षा करने के निर्देश दिए हैं। गणेश चतुर्थी पर अब तक स्थानीय अवकाश दिया जाता था। अभी तक कलेक्टरों को इस पर्व पर स्थानीय अवकाश घोषित करने के अधिकार हैं।

तो यह है स्मार्ट मीटर ...

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने आज विद्युत कंपनियों द्वारा उपभोक्ताओं के लिए संचालित विभिन्न योजनाओं पर केंद्रित प्रदर्शनी का अवलोकन किया। उन्होंने विद्युत कंपनियों में चयनित उम्मीदवारों को नियुक्ति पत्र का वितरण भी किया गया।

भारत की रूस से तेल खरीदी पर निशाना

25 फीसदी एक्स्ट्रा अमेरिकी टैरिफ का नोटिफिकेशन जारी

वाशिंगटन/नई दिल्ली, एजेंसी

आखिरकार अमेरिकी सरकार ने भारत से होने वाले आयात पर 25प्रतिशत एडिशनल टैरिफ लगाने वाला ऑफिशियल नोटिफिकेशन आज जारी कर दिया। भारत पर जुर्माने के तौर पर लगाया गया यह टैरिफ भारतीय समय के अनुसार 27 अगस्त को सुबह 9.31 बजे से लागू हो जाएगा। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने 6 अगस्त को रूस से तेल खरीद पर इस टैरिफ का ऐलान किया था। इससे पहले व्यापार घाटे का हवाला देकर अमेरिका ने भारत पर 7 अगस्त से 25 प्रतिशत टैरिफ लगाया था। यानी कुल मिलाकर भारतीय वस्तुओं पर टैरिफ अब 50 प्रतिशत तक लगेगा।

अमेरिका ने कहा है कि यह ड्यूटी भारत से आने वाली चीजों पर लागू होगी। ये चीजें या तो अमेरिका में इस्तेमाल के लिए लाई जाएंगी या गोदाम से इस्तेमाल के लिए निकाली जाएंगी। कुछ समय पहले जब अमेरिका ने अपने इरादे का ऐलान किया था तब ही भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा था कि भारत के रूस से किए जा रहे तेल आयात को निशाना बनाया गया है। मगर हम बाजार की स्थिति के आधार पर तेल खरीदते हैं

चीन पर 200 फीसदी की धमकी, भारत ने डाक पार्सल सेवा रोकीं

अमेरिकी ने चीन पर पर्याप्त मैग्नेट सप्लाई नहीं करने पर 200 फीसद टैरिफ की धमकी दी है। वहीं भारत ने अंतरराष्ट्रीय डाक सेवाएं कल ही रोक दी थीं। डाक विभाग ने कहा केवल पत्र, दस्तावेज़ और 100 डॉलर से कम मूल्य के उपहार ही अमेरिका भेजे जा सकेंगे। दरअसल ट्रंप ने सौ साल पुरानी डि मिनिमिस छूट खत्म कर दी है, इसमें अमेरिका पहुंचने वाले 800 डॉलर तक के सामान पर कोई शुल्क नहीं था लेकिन अब महज ढाई हजार के सामान पर 17हजार रू तक चार्ज लगता।

और इसका मकसद भारतीयों की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी कह चुके हैं कि सरकार छोटे उद्यमियों, किसानों और पशुपालकों पर कभी कोई आंच नहीं आने देगी।

अब विकल्प भी सामने : अमेरिकी रुख के बाद अगर आगे की बातचीत से कोई रास्ता नहीं निकलता है, तो फिर भारत भी चुनिंदा अमेरिकी वस्तुओं जैसे कृषि उत्पाद, फार्मास्यूटिकल्स, या तकनीकी उपकरण पर जवाबी टैरिफ लगाकर पलटवार कर सकता है।

आप नेता व पूर्व मंत्री सौरभ भारद्वाज के घर ईडी की रेड

नईदिल्ली, एजेंसी

आज सुबह प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आम आदमी पार्टी के नेता और पूर्व मंत्री सौरभ भारद्वाज के घर समेत तेरह ठिकानों पर छापेमारी की है। उन पर हॉस्पिटल कंस्ट्रक्शन में करप्शन का आरोप है। दिल्ली की एंटी-करप्शन ब्रांच ने एक साल पहले आप सरकार के दौरान स्वास्थ्य ढांचे से जुड़ी परियोजनाओं में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच शुरू की थी। जांच एजेंसी ने पूर्व स्वास्थ्य मंत्रियों सौरभ भारद्वाज और सत्येंद्र जैन के खिलाफ जून में केस दर्ज किया था तथा मामला ईडी को ट्रांसफर कर दिया गया था। इस कार्रवाई पर पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा- भारद्वाज के घर ईडी रेड दिखाती है कि मोदी सरकार पार्टी के पीछे पड़ गई है। हम भाजपा से नहीं डरते। हम देश हितों के साथ खड़े हैं।

बिहार में वोटर अधिकार यात्रा में शामिल हुईं प्रियंका गांधी

सुपौल, एजेंसी

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और राजद नेता तेजस्वी यादव की बिहार मे जारी 'वोटर अधिकार यात्रा' आज सुपौल पहुंची है। यात्रा में कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा और तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने शामिल हैं। आज यात्रा का लंच ब्रेक फुलपरास में रखा गया। इसके बाद शाम को मधुबनी में एक सभा होगी। यात्रा का नाइट हाल्ट दरभंगा में है। प्रियंका दो दिन तक इस यात्रा में साथ चलेंगी। उल्लेखनीय है कि कल यात्रा का एक दिन का ब्रेक था। अब तक यह यात्रा दस दिन चल चुकी है।

शांति चाहिए तो युध्द के लिए भी तैयार रहें : सीडीएस

इंदौर, एजेंसी

'रण संवाद- 2025' की महू में आज शुरूआत हुई है। आर्मी वॉर कॉलेज में इस मौके पर चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) अनिल चौहान ने कहा- ऑपरेशन सिंदूर एक आधुनिक संघर्ष था, जिससे हमने कई सबक सीखे। उनमें से ज्यादातर पर अमल चल रहा है। उन्होंने कहा- गीता और महाभारत में युद्ध नीति के सबसे बेहतरीन उदाहरण हैं। शक्ति, उत्साह और युक्ति, युद्ध नीति के लिए सबसे महत्वपूर्ण हैं। हमें शस्त्र और शास्त्र दोनों को एकसाथ फॉलो करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि हम एक शांतिप्रिय राष्ट्र हैं लेकिन उद्धरण (कोट) का उल्लेख करते हुए चौहान ने कहा कि अगर आप शांति चाहते हैं तो युद्ध के लिए तैयार रहें। दो दिन के कार्यक्रम में शामिल होने शाम को केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी महू पहुंचेंगे।

मेट्रो एंकर | भारत-रूस-चीन के बीच बढ़ती नजदीकियों के बावजूद कई आशंकाएं

ट्रंप ने मिलाया मगर आरआईसी तालमेल पर अतीत की छाया

नईदिल्ली, एजेंसी

अमेरिका के खिलाफ करीब साढ़े तीन दशक पहले एक गठबंधन के रूप में शुरू हुआ रूस-भारत-चीन गुट आज फिर से चर्चा में है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ट्रेड वॉर से निपटने के लिए ये तीनों देश एक साथ आ रहे हैं। हालांकि अतीत को देखते हुए आशंका है कि यह गठबंधन शायद ही टिक पाए। अमेरिका से मतभेद के बावजूद ये एक मजबूरी का साथ नजर आ रहा है। ट्रंप के टैक्स तीनों को करीब ला रहे हैं। बावजूद, इस हफ्ते तियानजिन में शंघाई सहयोग संगठन के शिखर सम्मेलन में ये हकीकत देखने को मिलेगी। क्रेमलिन, यानि रूस लंबे समय से अटकी त्रिपक्षीय बैठक पर जोर दे रहा है। अगर ये तीनों देश फिर से एक साथ आते हैं, तो ये एक बड़ा संदेश होगा कि

भू-राजनीतिक ताकतें अमेरिका के दबाव में एकजुट हो रही हैं। लेकिन भारत और चीन के बीच आपसी तनाव और तीनों देशों के बीच आर्थिक मतभेद इस संभावना को कम करते हैं। जानकारों का मानना है कि भारत पर सबसे ज्यादा दबाव है। हाल तक अमेरिका का एक महत्वपूर्ण सहयोगी रहा भारत ट्रंप के लगाए गए टैक्सों से बुरी तरह प्रभावित हुआ है। रूस से तेल खरीदने के कारण, ट्रंप ने भारत से होने वाले निर्यात पर टैक्स दोगुना करके 50 फीसद कर दिया है, जो 27 अगस्त से लागू होने वाला है। बीजिंग, पहले अमेरिका का मुख्य निशाना था, फिलहाल राहत महसूस कर रहा है, लेकिन एक लंबी रणनीतिक प्रतिस्पर्धा में फंसा हुआ है। वहीं, रूस, प्रतिबंधों से परेशान और यूक्रेन में उलझा है तथा अलग थलग स्थिति को कम करने के लिए दोस्तों की तलाश में है।

त्रिगुट का विचार व आपसी विवाद

रूस ने पहली बार 1990 के दशक में इस त्रिगुट का विचार रखा था। तत्कालीन प्रधानमंत्री येवगेनी प्रिमाकोव ने यह प्रस्ताव रखा था। कागज पर तो गठबंधन बहुत मजबूत दिखता था, लेकिन हमेशा अविश्वास से कमजोर ही रहा, खासकर भारत और चीन के बीच। दोनों के बीच सबसे बड़ी समस्या उनका लंबा सीमा विवाद है। हिमालय क्षेत्र में 3,488 किलोमीटर की एक अस्पष्ट सीमा को लेकर मतभेद हैं। 2020 में लद्दाख की गलवान घाटी में दोनों देशों के सैनिकों में हिंसक झड़प से राजनयिक संबंध ठंडे पड़ गए। पिछले हफ्ते विवादित सीमा को चिह्नित करने के लिए सहमत सहमति हुई जो क्षेत्रीय विवाद को सुलझाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। चीन ने निर्यात पर भारत के साथ एकजुटता दिखाई है लेकिन टकराव का खतरा टला नहीं है !

मारूति ई-विटारा का निर्माण शुरू, मोदी ने किया फ्लैग ऑफ

अहमदाबाद, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद मोदी ने आज दो दिवसीय गुजरात दौरे के दूसरे दिन मारुति सुजुकी की पहली इलेक्ट्रिक कार विटारा को फ्लैग-ऑफ किया। इस दौरान पीएम ने अहमदाबाद के हंसलपुर स्थित प्लांट में हाइब्रिड बैटरी इलेक्ट्रोड के स्थानीय उत्पादन का भी उद्घाटन किया। इसी के साथ मारुति सुजुकी की इस इलेक्ट्रिक एसयूवी का प्रोडक्शन शुरू हो गया। जिसे जापान, यूरोप सहित दुनिया के 100 से ज्यादा देशों में एक्सपोर्ट किया जाएगा। जबकि बैटरी इकोसिस्टम को बढ़ावा देने के लिए, गुजरात के प्लांट में हाइब्रिड बैटरी इलेक्ट्रोड का उत्पादन भी शुरू किया गया है।

गणेश चतुर्थी की रौनक

बाजारों में प्रतिमाओं की जमकर खरीदारी

भोपाल। शहर में गणेश चतुर्थी पर्व को लेकर बाजारों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। बच्चों से लेकर महिलाएं तक उत्सव की तैयारियों में जुट गए हैं। बाजार में पूजन सामग्री, सजावट के सामान, गणेश प्रतिमाएं और मिठाइयों की दुकानों पर ग्राहकों की भीड़ उमड़ पड़ी है। बच्चे सजावटी सामान व खिलौने खरीदते नजर आए, वहीं महिलाएं पूजन सामग्री और पारंपरिक वस्त्रों की खरीदारी में व्यस्त दिखीं। दुकानों पर रंग-बिरंगी सजावट और रोशनी ने बाजार की रौनक को और बढ़ा दिया है। व्यापारियों का कहना है कि इस बार गणेश चतुर्थी को लेकर लोगों में खासा उत्साह है, जिससे बाजारों में पिछले साल की तुलना में अधिक बिक्री हो रही है। शहर के न्यू मार्केट, चौक बाजार, इंद्रपुरी, बैरागढ़ और भेल क्षेत्र की दुकानों में खरीदारी करने वालों की लंबी कतारें लगी रहीं। शहर का हर कोना भक्ति से सराबोर नजर आ रहा है। श्रद्धालु घरों और पंडालों में गणपति बप्पा का स्वागत धूमधाम से करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

करीब डेढ़ करोड़ खर्च करेगा प्रदूषण नियंत्रण मंडल

दो सीमावर्ती इलाकों की हवाओं का मिजाज भांपने मॉनिटरिंग सिस्टम, 3 पहले से तैनात

भोपाल, दोहपर मेट्रो

अब राजधानी के दो और सीमावर्ती इलाको में हवा का मिजाज भांपने वाले सिस्टम तैनात किये जा रहे हैं। यह इलाके हैं-गोविंदपुरा और कोलार। खास बात यह है कि यह दोनों ही इलाके एक वक्त तक अपनी हरियाली की वजह से जाने जाते थे और शुद्ध हवाओं के झोंके भेजा करते थे। अब कोलार में दूर तक सघन कंक्रीट जंगल नजर आता है और भेल व गोविंदपुरा के आसपास भी नई बसाहटें हो रही हैं या अन्य बड़े प्रोजेक्ट आने वाले हैं। इसके अलावा दो सीमावर्ती इलाकों बैरागढ़ और नर्मदापुरम रोड की भी मॉनिटरिंग की जाएगी। दरअसल फिलवक्त अभी शहर में ऐसे तीन सिस्टम तैनात हैं। राजधानी की हवा की शुद्धता परखने के लिये तीन सिस्टम पहले से तैनात हैं जो ज्यादा सटीक डेटा देते हैं। बताया जाता है कि मप्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने कोलार व गोविंदपुरा का रियल टाइम डेटा जानने के लिये 1.30 करोड़ रुपए से कंटीन्युअस एंबीएंट एयर क्वालिटी मॉनिटरिंग सिस्टम (सीएएक्यूएमएस) लगाने का फैसला किया है।

इस योजना के तहत गोविंदपुरा सीपेट के पास और कोलार में बन रहे नए सेंटरों का काम लगभग पूरा हो चुका है। इसके अलावा बैरागढ़ और बीयू (होशंगाबाद रोड) इलाके में ऑनलाइन मॉनिटरिंग की जाएगी। अभी भोपाल में एयर क्वालिटी मापने के लिए तीन सेंटर-टीटी नगर, पर्यावरण परिसर और हमीदिया अस्पताल में हैं। जैसे ही दो नए सिस्टम लगेंगे तो भोपाल प्रदेश का पहला ऐसा शहर बन जाएगा, जहां पांच लाइव मॉनिटरिंग सिस्टम होंगे। जबकि बैरागढ़ और होशंगाबाद रोड पर स्थित सेंटर में फिलहाल ऑफलाइन मॉनीटरिंग चलती रहेगी। इससे अब अलग-अलग इलाकों का रियल टाइम एयर क्वालिटी इंडेक्स पता चल सकेगा।

गोविंदपुरा इंडस्ट्रियल एरिया में सिस्टम जरूरी

जानकारों का कहना है कि गोविंदपुरा इंडस्ट्रियल एरिया होने के कारण यहां पर सिस्टम लगाना जरूरी माना गया है। पिपलानी, मिनाल और रायसेन रोड भी इससे कवर होगा। जबकि कोलार और बीयू क्षेत्र यानी नर्मदापुरम रोड पर तेजी से आबादी बढ़ रही है। उधर बैरागढ़(हिरदाराम नगर) में ट्रैफिक लोड और औद्योगिक धूल बहुत ज्यादा है और लोगों को प्रभावित करती है। अधिकारियों का कहना है कि पूरे शहर में हवा की गुणवत्ता का सही आकलन करने की कोशिश की जा रही है। अभी गोविंदपुरा इलाके के लिए जगह तय करने की प्रक्रिया चल रही है। कोलार में जल्द ही सिस्टम इंस्टॉल हो जाएगा। जबकि दो स्थान बैरागढ़ और होशंगाबाद रोड में फिलहाल ऑफलाइन मॉनिटरिंग सीपीसीबी की मेंटरशिप में चलेगी।

ग्रीन गणेश अभियान से जगाई पर्यावरण संरक्षण की अलख

2150 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, अपने हाथों से बनाई गणेश प्रतिमा

भोपाल, दोहपर मेट्रो

एप्को के चार दिवसीय ग्रीन गणेश अभियान का समापन हुआ। जागरूकता अभियान के अंतर्गत आयोजित चार दिवसीय आओ बनाओ, निशुल्क घर ले जाओ प्रशिक्षण कार्यशाला में प्रमुख रूप से भोपाल के शा. नवीन उ. मा. विद्यालय ओल्ड कैम्पियन, शासकीय मा. विद्यालय बोर्ड कॉलोनी, शा. हाई स्कूल बैरागढ़ चीचली, शा. राजा भोज उ. मा. विद्यालय, शा. नवीन कन्या हाई स्कूल नेहरू नगर, जागरण लेक यूनिवर्सिटी, आनंद विहार महिला महाविद्यालय सहित अन्य स्कूल-कॉलेज के विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ प्रतिभागिता की। एप्को टीम द्वारा अभियान के अंतर्गत भोपाल के बाल संप्रेषण गृह सहित चार अन्य स्कूलों में जाकर मिट्टी से गणेश प्रतिमा बनाना सिखाया गया और जल-स्रोतों के लिए हेतु घर पर ही प्रतिमाओं विसर्जन के लिऐ प्रेरित भी किया। एप्को टीम द्वारा इस अभियान के अंतर्गत दो दिवसीय वेबिनार का भी आयोजन किया गया, जिसमें लगभग 8000 ईको क्लब्स से जुड़े शिक्षक एवम् विद्यार्थियों को भी प्रशिक्षित किया गया। भोपाल के छात्र- छात्राओं, शिक्षक व अधिकारी/कर्मचारियों एवम् आम नागरिकों सहित अभियान में लगभग 2150 प्रतिभागियों ने उत्साह से हिस्सा लिया और अपने हाथों से गणेश प्रतिमा का निर्माण किया।

एम्स में रीनल पर कार्यशाला आयोजित

भोपाल. एम्स में सोमवार को दो चिकित्सा कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। इन कार्यशालाओं का उद्देश्य पैथोलॉजी, नेफ्रोलॉजी और त्वचा विज्ञान के क्षेत्र में डॉक्टरों और छात्रों के ज्ञान को बढ़ाना था। पहली कार्यशाला 23 अगस्त को 'रीनल पैथोलॉजी' पर आयोजित की गई। इसमें किडनी से जुड़ी बीमारियों, जैसे ग्लोमेरुलोनेफ्राइटिस और रीनल ट्रांसप्लांट बायोप्सी पर गहन चर्चा हुई। इस कार्यशाला में पीजीआइएमइआर चंडीगढ़, एम्स दिल्ली और जिपमर पुडुचेरी सहित कई प्रतिष्ठित संस्थानों के विशेषज्ञों ने भाग लिया। प्रतिभागियों को बायोप्सी के वास्तविक मामलों का अध्ययन करने का अवसर भी मिला।

औद्योगिक त्रासदी से क्वांटम टेक्नोलॉजी तक के सफर पर शहर

एआई और क्लीन कम्प्यूट में क्वांटम लीप

केंद्रीय सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री को स्मरण-पत्र सौंपेंगे सांसद

भोपाल, दोहपर मेट्रो

भारत में आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस और क्लीन कम्प्यूटिंग की नई क्रांति के बीच, राजधानी भोपाल ने राष्ट्रीय स्तर पर एक एआई लाइटहाउस सिटी और क्लीन कम्प्यूट कैपिटल के रूप में पहचान दर्ज कराने की दिशा में क्वांटम जंप लिया है। सांसद आलोक शर्मा दिल्ली में केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव को औपचारिक संसदीय स्मरण-पत्र सौंपेंगे। इस पत्र में यह प्रस्ताव रखा जाएगा कि भोपाल को राष्ट्रीय एआई इकोसिस्टम में प्राथमिकता मिले। यह पहल उस घोषणा के बाद की गई है जिसमें ओपनएआई ने भारत में इकाई स्थापित करने और दिल्ली में पहला कार्यालय खोलने की बात कही है।

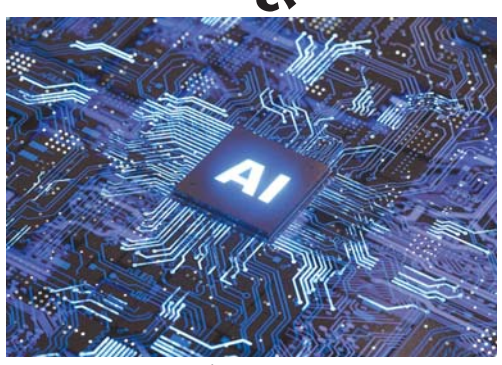

स्मरण-पत्र में उल्लेख है कि भोपाल के पास भेल का विशाल विकसित लैंड बैंक, उच्च क्षमता वाला पावर ग्रिड नेटवर्क, और आईआईएसईआर, मैनिट, एम्स जैसे संस्थानों से उपलब्ध टैलेंट पूल है, जो इसे राष्ट्रीय एआई डेटा सेंटर और हाई परफ़ॉर्मेंस कम्प्यूट ज़ोन के लिए आदर्श बनाता है। पत्र में भोपाल राजधानी क्षेत्र की वैश्विक विशिष्टताओं को भी रेखांकित किया गया है ।

सांसद आलोक शर्मा ने कहा कि एआई, डेटा और कम्प्यूट आज आत्मनिर्भर भारत के नए इंजन हैं। गर्व है कि 'कमाल का भोपाल' जैसी नागरिक पहल अब सरकारी नीति की दिशा बन रही है। वहीं क्रेडाई भोपाल अध्यक्ष मनोज मीक ने कहा कमाल का भोपाल' रिपोर्ट यह प्रस्ताव तकनीकी निवेश के साथ न्याय और पुनःस्थापना का भी प्रयास है। भोपाल ने भीषण औद्योगिक त्रासदी के सदमे में बहुत कुछ खोया है और अब समय आ गया है कि यह शहर क्वांटम टेक्नोलॉजी कैपिटल बने। विंद्र भवन में साहित्यकारों का सम्मान समारोह आयोजित हुआ जिसमें अनेक जिलों से आए साहित्यकारों का सम्मान किया गया।

साहित्यकारों का सम्मान

भोपाल। रविंद्र भवन में साहित्यकारों का सम्मान समारोह आयोजित हुआ जिसमें अनेक जिलों से आए साहित्यकारों का सम्मान किया गया।

फार्मेसी में 11 हजार ने कराया रजिस्ट्रेशन

भोपाल. प्रदेश में फार्मेसी पाठ्यक्रमों में प्रवेश की प्रक्रिया जारी है, लेकिन पंजीयन और विकल्प भरने के आंकड़े सीटों के मुकाबले बेहद कम हैं। फार्मेसी की सीटों का आवंटन 6 सितंबर को जारी किया जाएगा। जारी आंकड़ों के अनुसार, बीडी फार्मेसी में कुल 15,260 सीटें उपलब्ध हैं। इनमें से 11,833 छात्रों ने पंजीयन कराया, लेकिन सिर्फ 2,047 ने ही विकल्प भरने की प्रक्रिया पूरी की। यह स्थिति बताती है कि बड़ी संख्या में छात्र अब तक विकल्प भरने में सक्रिय नहीं हुए हैं।

रोजगार मंत्रा 'मेगा ओपन जॉब फेयर' आज से शुरू

भोपाल, दोहपर मेट्रो

स्कोप ग्लोबल स्किल्स विश्वविद्यालय मंगलवार को मेगा ओपन जॉब फेयर-2025 का आयोजन किया जा रहा है। इस जॉब फेयर का आयोजन यूनिवर्सिटी के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट डिपार्टमेंट और रोज़गार मंत्रा द्वारा किया जा रहा है। इस जॉब फेयर में आईटी एवं आईटीईएस, बीएफएसआई, कृषि, रिटेल, ऑटोमोबाइल, मैन्युफैक्चरिंग और हॉस्पिटैलिटी सहित विभिन्न क्षेत्रों की 25 से अधिक कंपनियाँ भाग लेंगी। इसमें 1000 से अधिक पदों पर भर्तियाँ की जाएंगी और उम्मीदवारों को 5 (एलपीए) तक का पैकेज मिलने की संभावना होगी। यह जॉब फेयर 12वीं पास, आईटीआई, डिप्लोमा, स्नातक, परास्नातक और अनुभवी उम्मीदवारों के लिए रोजगार के अवसर उपलब्ध कराएगा। कार्यक्रम के दौरान ऑन-द-स्पॉट इंटरव्यू और तत्काल नियुक्ति की सुविधा होगी। मेगा जॉब फेयर में प्रतिभागिता के लिए निःशुल्क पंजीकरण शुरू हो चुके हैं, जो एसजीएसयू की वेबसाइट द्वारा किया जा सकता है।

स्कोप ग्लोबल स्किल्स विवि

बीयू के ओरिएंटेशन में पर्यावरण संरक्षण की दी जानकारी

भोपाल, दोहपर मेट्रो

बरकतउल्ला यूनिवर्सिटी (बीयू) के समाजशास्त्र एवं समाजकार्य विभाग द्वारा जीव ताशा फाउंडेशन एवं जन अभियान परिषद के सहयोग से ओरिएंटेशन कार्यक्रम और मिट्टी के गणेश बनाने की कार्यशाला का आयोजन किया गया। ओरिएंटेशन कार्यक्रम में समाज कार्य विभाग के कोऑर्डिनेटर प्रो. शशांक शेखर ठाकुर ने समाज कल्याण की महत्ता और पर्यावरण संरक्षण के उपायों पर जानकारी दी। वहीं जीव ताशा फाउंडेशन के अध्यक्ष कार्तिक जैन ने एनजीओ और समाज कार्य के क्षेत्र में रोजगार की संभावनाओं पर प्रकाश डाला। मिट्टी के गणेश बनाने की कार्यशाला में 40 बच्चों ने भाग लिया और 40 से अधिक गणेश प्रतिमाओं का निर्माण किया। इस अवसर पर सभी ने शपथ ली कि वे केवल इको-फ्रेंडली गणेश की ही स्थापना करेंगे। साथ ही हस्ताक्षर अभियान भी चलाया गया। कार्यक्रम में प्रो. कुमरेश कश्यप और प्रो. अनीता धुर्वे सहित संकाय सदस्य उपस्थित रहे।

मेट्रो एंकर नगर निगम की तैयारी- दस कुंडों पर होगा विसर्जन, सुरक्षा और रोशनी की होगी व्यवस्था

गणेश प्रतिमा स्थलों पर लगवाएं सीसीटीवी : कमिश्नर

भोपाल, दोहपर मेट्रो

गणेश प्रतिमा स्थलों पर सीसीटीवी लगवाएं, सार्वजनिक क्षेत्रों में विजिबिलिटी बढ़ाएं और सोशल मीडिया पर नजर रखें। पुलिस कमिश्नर हरिनारायणचारी मिश्र ने आगामी त्योहार गणेशोत्सव, डोल ग्यारस और मिलाद उन नबी के दौरान शहर में शांति तथा सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने कमिश्नर कार्यालय में राजपत्रित अधिकारियों, थाना प्रभारियों की बैठक ली। इसमें अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अवधेश गोस्वामी, पंकज श्रीवास्तव, पुलिस उपायुक्त रियाज इक़बाल, जितेंद्र पवार, अखिल पटेल, संजय अग्रवाल, श्रद्धा तिवारी, सोनाक्षी सक्सेना, शशांक सहित और थाना प्रभारी मौजूद रहे।

बैठक में थाना प्रभारियों से कहा की प्रतिमा स्थल वाले क्षेत्रों में देर रात तक गश्त करें, असामाजिक तत्वों पर नजर रखें। अपराधों की रोकथाम के लिए अवैध शराब तस्कर, जुआ-सट्टे के खिलाफ कार्रवाई करें। निगरानी बदमाशों, आदतन अपराधियों पर कार्रवई करें। सोशल मीडिया पर नजर रखें, तथा किसी भी अप्रिय घटना की सूचना पर तत्काल कंट्रोल रूम व वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित करें। वहीं गणेश और दुर्गा विसर्जन की व्यवस्थाओं को लेकर नगर निगम ने भी तैयारी शुरू कर दी है। इसके संबंध में नगर निगम आयुक्त हरेंद्र नारायण की अध्यक्षता में एक बैठक हुई। बैठक में तय किया कि प्रतिमा एकत्रीकरण, साफ-सफाई, पेयजल, रोशनी, सड़क मरमत, सुरक्षा, क्रेन और फायर ब्रिगेड जैसी जरूरी इंतजाम मंगलवार से शुरू होगा। बैठक में अपर आयुक्त टीना यादव, मुकेश कुमार शर्मा सहित निगम के अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

छह नए विसर्जन कुंडों का प्रस्ताव पास- निगम ने 25 करोड़ से शहर में 6 नए विसर्जन कुंड बनाने का प्रस्ताव पारित किया है। ये कुंड अगले साल तक बनकर तैयार हो जाएंगे। इस साल शहर में 10 विसर्जन कुंड ही होंगे, जबकि पिछले साल 7 विसर्जन कुंड थे। अभी संजीव नगर और विदिशा रोड पर दो कुंड तैयार हो चुके हैं, जबकि बरकतउल्ला विश्व विद्यालय का कुंड भी जल्द ही तैयार हो जाएगा। स्वच्छता पर होगा कार्य- गणेशोत्सव के दौरान डोल ग्यारस से अनंत चतुर्दशी तक प्रतिमाओं के एकत्रीकरण और विसर्जन की व्यवस्था बेहतर ढंग से की जाए। साथ ही पूजन सामग्री को एकत्र कर निष्पादन स्थल पहुंचाने की व्यवस्था होगी। निगम 200 कर्मचारियों को तैनात करेगा। साथ ही 50 वाहनों को विभिन्न स्थानों पर तैनात करेगा।

आसपास के राज्यों का अध्ययन व इनके वेतन-भत्तों को बनाया आधार

माननीयों पर बरसेगा इनायतों का मानसून

वेतन-भत्तों में बंपर इजाफे की राह खुली

आशीष दुबे, भोपाल।

मप्र में विधानसभा सत्र की अवधि व हंगामों को लेकर कई बार विमर्श चला है, लेकिन विधायकों की सुविधा में विस्तार की राहें निकल रही हैं। कम से कम वेतन-भत्ते व अन्य सुविधाओं के मामले में 'माननीय' किसी से पीछे नहीं रहना चाहते। लिहाजा भारी आग्रहों-दबावों के बीच अब उनके वेतन-भत्तों में फिर लगभग 45 फीसदी का इजाफा करने की तैयारी है। यह कवायद अन्य राज्यों में इन माननीयों को मिलने वाले वेतन भत्तों के अध्ययन के बाद हो रही है। जिसमें पाया गया कि मप्र के माननीय पड़ोसी राज्य छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, राजस्थान, गुजरात और उप्र से पीछे हैं। अब प्रस्तावित इजाफे से उनका राजस्थान और गुजरात के विधायकों से ज्यादा हो जाएगा।

पेंशन में भी होगा इजाफा

जानकारी के मुताबिक हाल में विधानसभा सदस्य समिति ने सरकार को विधायकों का वेतन 1.60 लाख रुपए करने की सिफारिश की है। यदि मौजूदा विधायकों पर इनायतें बरसीं तो इसके छींटे पूर्व विधायकों तक भी पहुंचेंगे और उनकी पेंशन में भी इजाफा होगा। विधानसभा अध्यक्ष की तरफ से इस आशय के प्रस्ताव पर सरकार की तीन सदस्यीय समिति को फैसला करना है। समिति के अध्यक्ष वित्त मंत्री हैं जबकि भाजपा और कांग्रेस के एक-एक विधायक को समिति सदस्य बनाया जाएगा। विधानसभा ने भी सरकार से कहा है कि समिति के बाकी दो सदस्यों का चयन जल्दी करें।

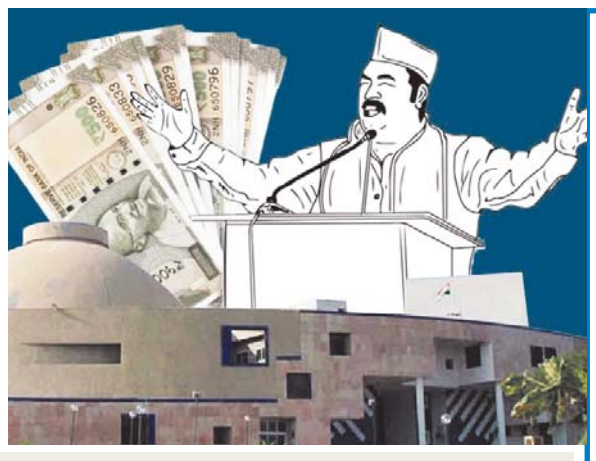

समिति अध्यक्ष ने भत्ता बढ़ाने की रखी थी मांग

दरअसल, विधायकों ने सदस्य सुविधा समिति के अध्यक्ष नागेंद्र सिंह से वेतन-भत्ते और विधायक निधि बढ़ाने की मांग की थी। विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर और सीएम मोहन यादव तक भी मांग पहुंचाई गई। यह सिफारिश विचाराधीन थी तभी जुलाई के आखिरी हफ्ते से विधानसभा का मानसून सत्र के दौरान कई विधायकों ने विधानसभा अध्यक्ष से मुलाकात कर सदस्य सुविधा समिति की सिफारिश पर विचार के लिए जोर दिया। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार और अन्य विधायकों ने भी वेतन-भत्ते बढ़ाने की मांग की ही थी। इसके बाद तय हुआ कि उपमुख्यमंत्री और वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय समिति का गठन किया होगा। विस के प्रमुख सचिव का कहना है कि वेतन भत्तों को लेकर अन्य राज्यों का अध्ययन कराया गया है व अन्य प्रक्रियाएं अभी जारी है।

अभी मिलते हैं 1.10 लाख

मप्र में विधायकों के वेतन-भत्ते 2016 में बढ़ाए गए थे। इसके तहत विधायकों को अभी 30 हजार रुपए वेतन मिल रहा है जबकि 35 हजार रुपए निर्वाचन भत्ता है। बाकी भत्ते मिलाकर अभी विधायकों को कुल 1 लाख 10 हजार रुपए मिलते हैं। यदि इनमें 50 हजार रुपए बढ़ते हैं तो यह 1 लाख 60 हजार रुपए हो जाएंगे। इस बढोतरी में पूर्व विधायकों को भी सौगातें मिलने वाली है। उन्हें करीब 70 हजार रुपए पेंशन देने की सिफारिश है। अभी पूर्व विधायकों को 35 हजार रुपए पेंशन मिलती है एसी फर्स्ट क्लास का रेल कूपन भी दिया जाता है। यही नहीं बल्कि विधायकों को 10 हजार रुपए चिकित्सा भत्ता व विस की बैठक में भाग लेने के लिए 2500 रुपए तक दैनिक भत्ता दिया जाता है।

नाथ-दिग्गी विवाद पर मिश्रा का तंज

काफिला क्यों लुटा था सच सामने है: नरोत्तम

भोपाल, दोहपर मेट्रो

मध्यप्रदेश की राजनीति में एक बार फिर 2020 में कांग्रेस सरकार गिरने का मुद्दा गरमा गया है। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ और दिग्विजय सिंह के हालिया बयानों पर भाजपा नेता व पूर्व गृहमंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने करारा ह मला बोला। मिश्रा ने शायराना अंदाज में कहा–

ऐ क़ाफ़िले वालों, तुम इतना भी नहीं समझे थे,
लूटा है तुम्हें रहज़न ने, रहबर के इशारे पर।

उन्होंने कहा कि काफिला क्यों लुटा था और कौन दोषी है, यह अब सामने आ गया है। कांग्रेस को बुढ़ापे में बच्चा रूपी सरकार मिली थी, लेकिन इन्होंने उसे चूम-चूम कर ही मार डाला। डॉ. मिश्रा ने आरोप लगाया कि सरकार गिरने की वजह कांग्रेस की अंदरूनी कलह थी। उन्होंने तंज कसा– हम तो पहले से कहते थे कि कमलनाथ नहीं, बल्कि दिग्विजय सिंह सरकार चला रहे थे। यही कारण था सरकार गिरने का। उस समय मंत्री व वर्तमान में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंगार ने भी यही बात कही थी, लेकिन कमलनाथ की आंखों पर दिग्विजय ने पट्टी बांध रखी थी। आज उन्हें सच्चाई याद आ रही है।

हम तो पहले ही कहते थे कि दिग्विजय सिंह के कारण सरकार गिरी, अब कमलनाथ ने भी माना

उन्होंने कमलनाथ से सवाल पूछा कि जब आप सच की राह पर चल ही दिए हैं, तो यह भी बताइए कि डेढ़ साल की सरकार में दिग्विजय सिंह ने आपसे कितने भ्रष्टाचारी फैसले करवाए। मिश्रा ने कहा कि अगर ऐसा नहीं बताया गया तो जनता मान लेगी कि दोनों नेता केवल एक-दूसरे पर ठीकरा फोड़कर गुमराह कर रहे हैं। अंत में उन्होंने कटाक्ष किया– असलियत यही है कि कांग्रेस की नाव डुबोने का काम कप्तान ने ही छेद कर किया था। डॉ मिश्रा ने कहा कि इंतज़ार कीजिए फ़िल्म अभी बाकी है।

पंचायती राज कार्यशाला

विकास के निर्णय सामूहिक रूप से लेने सरपंचों पर जोर

भोपाल। पंचायत राज संचालनालय की कार्यशाला में कार्यशाला में प्रमुख सचिव पंचायत एवं ग्रामीण विकास दीपाली रस्तोगी ने अच्छे काम करने वाले सरपंच, सचिव और ग्राम रोजगार सहायकों को सम्मानित किया। रस्तोगी ने कहा कि सरपंच एवं अधिकारी पंचायती राज की भावना को सशक्त बनाएं। गांव की समस्याओं का समाधान गांव में बैठकर ही करें। ग्रामसभा की बैठकें नियमित रूप से आयोजित करें और गांव के विकास से संबंधित निर्णय सामूहिक रूप से लें। इस कार्यशाला का मकसद पंचायतों के कामकाज को और बेहतर, पारदर्शी और जिम्मेदार बनाने का था। कार्यशाला में 52 जिलों के जिला पंचायत सीईओ, जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, टॉप और सबसे कम रैंक वाली पंचायतों के सरपंच समेत कुल 536 लोग शामिल हुए। । इनमें पंचायत सचिव, सहायक सचिव और 16 विभागों के नोडल अधिकारी भी शामिल थे। रस्तोगी ने कहा कि हमारा देश गांवों में बसता है। शासन से मिलने वाली राशि का पारदर्शी और ईमानदार उपयोग सुनिश्चित करें। पंचायत को एक सरकार मानकर सभी क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करें। पंचायत राज संचालक छोटे सिंह ने पीएआई के महत्व को समझाया व कहा कि पीएआई को केवल कागजों पर नहीं, बल्कि जमीन पर उतारने की जरूरत है। ग्रामसभा की बैठकें पंचायती शासन का सबसे महत्वपूर्ण अंग हैं।

सुविचार

'महानता कभी ना गिरने में नहीं है, बल्कि हर बार गिरकर उठ जाने में है।'

- अज्ञात

संपादकीय

सियासत और सत्र

हाल में समाप्त हुए संसद के मॉनसून सत्र का हश्र देखकर फिर वही पुराने सवाल और चिंता के सुर उभरे हैं। क्योंकि,मानसून सत्र के कामकाज पर गौर करें तो इन उम्मीदों पर सियासत के बादल ही नजर आते रहे। ऐसा लगा कि जनप्रतिनिधियों के लिए दलगत राजनीति जनसरोकार से ज्यादा महत्वपूर्ण रही। अक्सर होता यही है कि संसद के अंदर और बाहर सत्तापक्ष एवं विपक्ष के बीच आरोप-प्रत्यारोप के शोरगुल में असल मुद्दे गौण हो जाते हैं। इससे न केवल संसद का बहुमूल्य समय जाया हो जाता है, बल्कि सार्वजनिक धन की भी बर्बादी होती है। जैसा कि, इस मानसून सत्र के दौरान लोकसभा में महज 31 फीसद और राज्यसभा में 39 फीसद कामकाज हुआ। सत्र के दौरान कामकाज के लिए 120 घंटे उपलब्ध थे, मगर इस दौरान लोकसभा में केवल 37 घंटे और राज्यसभा में 41 घंटे 15 मिनट कामकाज हो पाया। दोनों सदनों में कुल 15 विधेयक पारित किए गए और तीन विधेयकों को संसद की संयुक्त समिति के पास विचार के लिए भेजा गया। संसद कानून और नीति निर्माण करने वाली देश की सर्वोच्च संस्था है, जो जनता का प्रतिनिधित्व करती है। देश की दिशा एवं दशा तय करने में इसकी अहम भूमिका है साथ ही यह सरकार के कामकाज की निगरानी करने और राष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा कर समाधान तलाशने का विशिष्ट मंच है। इसे लोकतांत्रिक व्यवस्था की रीढ़ कहा जाता है। लिहाजा जनप्रतिनिधियों से सदैव उम्मीद की जाती है कि वे आम लोगों से जुड़े मसलों को संसद में उठाकर नीति निर्माण में उनकी भूमिका सुनिश्चित करेंगे। इस बार सत्र के दौरान 'आपरेशन सिंदूर' को लेकर दोनों सदनों में विशेष चर्चा हुई, जिसकी मांग विपक्ष ने उठाई थी। मगर बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) का मुद्दा दोनों सदनों में हंगामे और गतिरोध की प्रमुख वजह बना रहा। सत्तापक्ष का तर्क था कि मामला न्यायालय में विचाराधीन है और इस पर सदन में चर्चा नहीं हो सकती। अब सवाल यह जवाब खोज रहा है कि क्या सदन में हंगामे से कुछ हासिल हो पाया या आगे ऐसे हालातों में हो पाएगा। दोनों सदनों में एक भी दिन प्रश्नकाल एवं शून्यकाल सामान्य तरीके से नहीं चल पाया और सत्र के दौरान गैर सरकारी कामकाज भी नहीं हो सका। यानी, मानसून सत्र के कामकाज की सूची में शामिल जन सरोकार से जुड़े कई मुद्दे बिना चर्चा और जवाब के ही रह गए। इसमें दोराय नहीं कि संसद सत्र नियमित रूप से चलाने का दायित्व सत्तापक्ष और विपक्ष दोनों का है। लोकतंत्र में किसी भी मुद्दे पर विरोध दर्ज करना विपक्ष की भूमिका का एक हिस्सा है और सत्तापक्ष से उम्मीद की जाती है कि वह विपक्ष की आपत्तियों का निराकरण करे। मगर संसद में सार्थक और तर्कपूर्ण बहस करने के बजाय हंगामे से नुकसान देश की जनता का होता है। सियासी दलों और उनके जनप्रतिनिधियों को इस बात पर गंभीरता और गहराई से विचार करना चाहिए कि संसद का बहुमूल्य समय बर्बाद न हो। जनप्रतिनिधियों की यह नैतिक जिम्मेदारी है कि वे उस जन सरोकार को प्राथमिकता दें, जिसके लिए उन्हें चुना गया है। एक निर्दलीय सांसद ने तो संसद परिसर में प्रदर्शन कर यह मांग भी उठाई है कि सदन में हंगामे की वजह से होने वाले आर्थिक नुकसान की भरपाई सांसदों के वेतन से की जानी चाहिए। बहरहाल, लोकतंत्र में सहमति और असहमति एक स्वाभाविक चीज है। मगर सत्तापक्ष और विपक्ष को इस बात पर विचार करना चाहिये कि सदन में पूरे सत्र स्वस्थ बहस चले,तर्क और तथ्यों के तीर चलें। यदि दलों को सियासत के मुद्दे जरूरी है तो उसके लिए समय व स्थान दूसरा हो सकता है।

मौजूदा दौर में भारत-चीन संबंधों की तार्किकता

■ ज्योति मल्होत्रा

नाश्ता दिल्ली में, दोपहर का भोजन लाहौर में और रात का खाना काबुल में, क्या कोई कर सकता है? दक्षिण एशिया के लोगों के बीच सीमाओं को मिटाने का पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का दिया बहुचर्चित नारा आज भी जीवंत और सटीक है -फर्क केवल इतना है कि इस पर अमल चीनी विदेश मंत्री वांग यी कर रहे हैं। गत हफ़्ते की शुरुआत में यही हुआ। जब भारत बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण पर बने विवाद और विपक्षी कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा लगाए गए 'वोटों की चोरी' के आरोपों में उलझा पड़ा था, उस बीच चीनी नेता राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के साथ सीमा वार्ता के एक और दौर के लिए दिल्ली आए। वांग ने प्रधानमंत्री मोदी को इस महीने के अंत में चीन के तियानजिन में होने वाले शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया- जिसको प्रधानमंत्री ने स्वीकार किया।इसके बाद वांग यी तालिबान से मिलने और अपने पाकिस्तानी एवं अफ़ग़ान समकक्षों के साथ त्रिपक्षीय बैठक में भाग लेने के लिए काबुल पहुंचे। वहां से वे अपने 'आजमाया हुआ लौह बंधु' के साथ चीन की सामरिक साझेदारी का वचन दोहराने इस्लामिक गणराज्य पाकिस्तान पहुंचे। एक ही में दिन में तीन देश-मानो मनमोहन सिंह की कही पर अमल कर रहे हों, फिर क्या हुआ अगर कुछ गंतव्य स्थल अलग रहे। वांग यी की यात्रा ने पाकिस्तान के गृह मंत्री को यह कहने का मौका दिया कि उनके देश के पास ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तानी वायु सेना द्वारा भारतीय विमानों को मार गिराए जाने के वीडियो फुटेज हैं। क्या यह पाकिस्तानियों का सरासर झूठ है? लाजिमी है भारतीयों को यही उम्मीद है। भारतीय वायु सेनाध्यक्ष एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने हमें बताया है कि ऑपरेशन के दौरान भारतीय वायुसेना ने पांच पाकिस्तानी जेट विमानों को मार गिराया है। हालांकि चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान पहले ही स्वीकार चुके हैं कि टकराव में भारत को भी कुछ हवाई सैन्य नुकसान जरूर हुआ है, लेकिन उन्होंने यह नहीं बताया कि कितने जहाज। तीन महीने से भी ज़्यादा समय बीत जाने के बाद भी इस विषय पर चुप्पी है। वस्तु स्थिति जानना निश्चित रूप से अच्छा होगा।

चलिए, फिर से वांग यी की दक्षिण एशियाई कूटनीति पर लौटते हैं। काबुल में, उन्होंने तालिबान को पूरी तरह स्पष्ट कर दिया कि अफ़ग़ानिस्तान अगर पाकिस्तान में आतंकवादी हमले बंद नहीं करता है, तो चीन निवेश नहीं करेगा। इस्लामाबाद पहुंचने पर, जहां उनके स्वागत को लाल कालीन बिछाया गया, उन्होंने 'आतंकवाद से लड़ने में पाकिस्तान के अथक प्रयासों की सराहना की'। इससे पहले जुलाई की शुरुआत में, चीनी वायुसेना प्रमुख ने भारत के खिलाफ पाकिस्तानी वायुसेना की कार्रवाई की प्रशंसा करते हुए इसे आधुनिक युद्ध का 'आदर्श उदाहरण' बताया था। यहां कोई गलती न रहे, कि चीन-पाकिस्तान संबंधों के प्रगाढ़ होने के मद्देनज़र, भारत को अपनी समूची उत्तरी और पश्चिमी सीमाओं को लेकर एक कठिन विदेश नीति चुनौती दरपेश है। इसके अलावा, पाकिस्तान और अमेरिका के बीच दोस्ती बढ़ती जा रही है - क्योंकि जहां भारत 50 प्रतिशत जितने उच्च अमेरिकी टैरिफ से जूझ रहा है, वहीं पाकिस्तान पर सिर्फ 19 प्रतिशत टैरिफ लगाया गया है। भारत द्वारा यह मानने से इंकार कर देना कि ट्रंप यानी अमेरिका ने मई में भारत-पाकिस्तान संघर्ष में शांति स्थापना करवाने में भूमिका निभाई थी, साफ है कि ट्रंप की नाराज़गी इससे है। इसी वजह से वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारियों ने भारत और भारतीय कंपनियों पर रूसी तेल की खरीद से 'मुनाफाखोरी' करने का आरोप जड़ा है।

आसमान गहराता देख विदेश मंत्री एस जयशंकर रूस गए, जहां रूस ने भारत को दिए जाने तेल की कीमतों में और कटौती का प्रस्ताव दिया है वहीं अच्छी खबर यह है कि भारत सरकार के दिल में पुनर्संतुलन की स्थिति बन रही है।एक लंबे अर्से तक, पिछले एक दशक से ज्यादा, भारत द्वारा अमेरिका की तरफ बनता झुकाव इसके अन्य गंभीर रिश्तों की कीमत

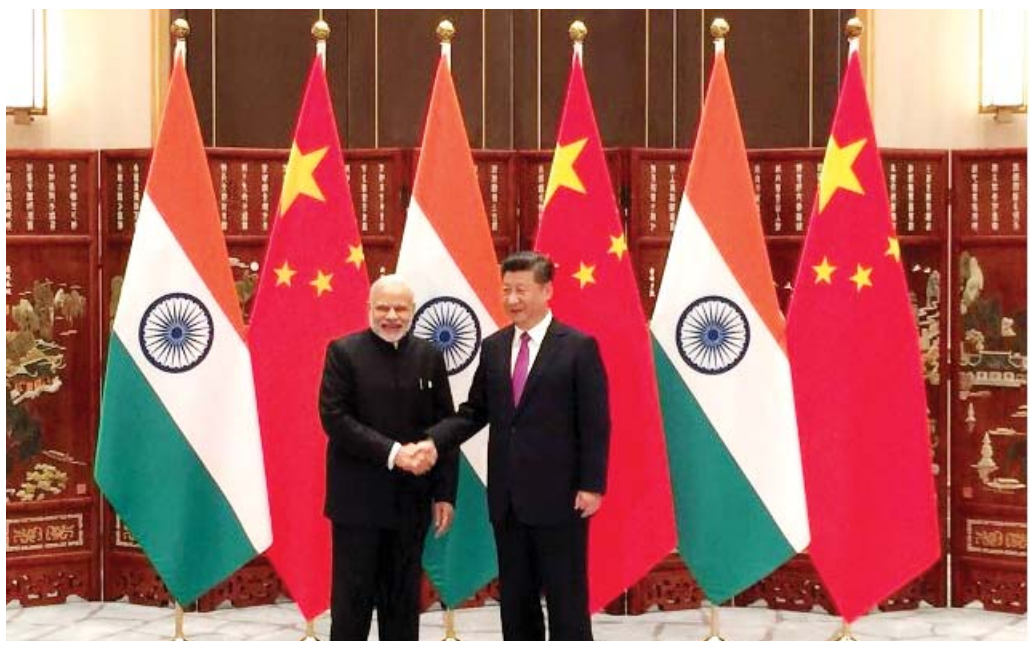

पर रहा। ऐसा आरोप कोई नई बात नहीं है - भारत का कुलीन वर्ग लंबे समय से न्यूयॉर्क और वाशिंगटन डीसी के बेहतरीन रेस्तरां में खाने-पीने का लुत्फ लेता आया है और उसके बच्चे आइवी लीग विश्वविद्यालयों में पढ़े हैं; मोदी के कार्यकाल में भी यह स्थिति शायद ही अलग रही हो। अंतर्राष्ट्रीय पटल पर अन्य प्रमुख शक्तियों की अनदेखी के परिणामस्वरूप जो अंतर बना वह है आपसी ख्याल एवं सम्मान की अनुपस्थिति। अमेरिका में भारत की असाधारण रुचि ने अन्य देशों के साथ रिश्तों को अमेरिकी चश्मे से देखने वाला रवैया बनाया। किंतु प्रकाश की गति से चलने वाली दुनिया में, जहां सबसे ज्यादा गर्मजोशी भरे रिश्ते भी दिन ढलते-ढलते ठंडे पड़ जाते हैं, वह तरीका राष्ट्रीय हित के लिए प्रतिकूल बनता जा रहा था।

यहां कोई गलती न रहे कि महत्वपूर्ण विदेश नीतिगत संबंधों में अमेरिका भारत के लिए अभी भी सबसे अहम बना हुआ है। लेकिन फिर गगन में अन्य सितारे भी तो हैं - एक तरह से देखा जाए तो ट्रम्प के हालिया बुरे व्यवहार से लंबे समय से नज़रअंदाज रखी जाने वाली बात समझ में आ ही गई है।ट्रम्प की डींगें कि उन्होंने दुनिया के कई संघर्षों को मध्यस्थ बनकर रुकवा दिया है, उनकी इस विराट आत्म-मुग्धता को मान्यता देने से इंकार करके मोदी ने निश्चित तौर पर भारत के दिल में अमेरिका के प्रति उठती हिलोरों पर विराम लगा दिया है। लेकिन यह बदलाव का सिर्फ़ एक पहलू है। दूसरा यह है कि भारत को अपने जुबान पर नियंत्रण रखते हुए, अपने सबसे कड़े प्रतिद्वंद्वी चीन के साथ कुशलता पूर्वक बरतना होगा। यही वजह है कि पिछले हफ़्ते की शुरुआत में चीनी विदेश मंत्री से बातचीत हुई और इसी महीने के अंत में प्रधानमंत्री चीन जाएंगे। मोदी को पता है कि हाथ में पत्ते कम होने के नाते, बतौर एक देश अपना समय निकालना होगा - क्योंकि पहिए का फिर से घूमना तय है। इस पुनर्स्थापना का एक दिलचस्प पहलू यह है कि भारत अमेरिका से भी संपर्क साधे रखेगा। अमेरिका इतना शक्तिशाली है कि उसे नज़रअंदाज नहीं किया जा सकता और उससे दुश्मनी घातक है; निश्चित रूप से आप अमेरिकियों को अपनी तरफ रखना चाहेंगे, जैसा कि फ़ील्ड मार्शल असीम मुनीर बखूबी जानते हैं (पाकिस्तानियों को अमेरिका में एक शक्तिशाली पैरवीकार मिल गया है, जिसमें ट्रंप का एक पूर्व अंगरक्षक भी शामिल है, जिसने बाद में व्हाइट हाउस में भी काम किया है)। और जैसा कि यूरोपीय नेताओं के समूह को करते पाया जब वे यूक्रेनी राष्ट्रपति का हौसला बढ़ाने के लिए ट्रंप की मेज पर पहुंचे-अमेरिकी राष्ट्रपति की मनुहार उस सुबह एक कवायद थी।यही वजह है कि अगले महीने संयुक्त राष्ट्र महासभा में भाग लेने के लिए न्यूयॉर्क जाने पर मोदी ट्रंप से मिलना चाह रहे हैं। और इस यात्रा से पहले भारत ने अमेरिकी कपास पर लगाया जाने वाला 11 प्रतिशत आयात शुल्क निलंबित कर दिया है-ताकि भारतीय कृषि बाजार को और अधिक खोलने से इनकार करने से पैदा हुआ अमेरिका का गुस्सा कुछ शांत हो सके।

साभार: यह लेखक के अपने विचार हैं।

विकराल होते ऑनलाइन गेम पर नियंत्रण का कानून सराहनीय

■ ललित गर्ग

इंटरनेट के विस्तार ने आधुनिक दौर में जीवन को अनेक सुविधाएं दी हैं, लेकिन इसके साथ ही कुछ नए गंभीर संकट भी पैदा किए हैं। इनमें सबसे गंभीर संकटों में से एक है ऑनलाइन गेमिंग या कहें तो मनी गेमिंग की बढ़ती लत। यह सच है कि गेमिंग मनोरंजन का साधन हो सकती है, पर जब इसमें धन का जुड़ाव होता है, तब यह सीधा-सीधा जुए एवं सट्टे के रूप में बदल जाती है। यह एक कड़वी सच्चाई है कि ऑनलाइन मनी गेमिंग यदि लत बन जाए तो यह संपन्न व्यक्ति एवं परिवार को भी कंगाल कर सकती है। एक आंकड़े के अनुसार देश में एक साल में 45 करोड़ लोगों ने बीस हजार करोड़ गवां दिये हैं। सब कुछ गंवा कर आत्महत्या करने के मामले भी प्रकाश में आते रहे हैं। सवाल इन लालच बेचने एवं जगाने वाली मनी गेमिंग की पारदर्शिता को लेकर भी उठते रहे हैं। इन्हीं चिंताओं एवं त्रासद विडम्बनाओं के बाद ऑनलाइन गेमिंग पर नियंत्रण का एक विधेयक भारत सरकार इसी मानसून सत्र में ऑनलाइन गेमिंग संवर्धन एवं विनियमन विधेयक 2025 लेकर आई है। जिसे अब गंभीर चर्चा के बिना संसद ने पारित भी कर दिया है। यह विधेयक पैसे से खेले जाने वाले किसी भी ऑनलाइन गेम को गैरकानूनी घोषित करता है। यह स्वागत योग्य कदम है, क्योंकि गेमिंग के नाम पर अरबों रुपए का लेन-देन और करोड़ों युवाओं की मानसिक शांति को नष्ट करने वाली प्रवृत्ति दिनोंदिन विकराल रूप ले रही है।आज स्थिति यह है कि ऑनलाइन गेमिंग की लत केवल समय और धन की बर्बादी ही नहीं कर रही, बल्कि सामाजिक और पारिवारिक रिश्तों में भी तनाव और विघटन का कारण बन रही है। स्कूल और कॉलेज के छात्र अपनी पढ़ाई की उपेक्षा कर इस आभासी दुनिया में डूबते जा रहे हैं। युवा वर्ग का एक बड़ा हिस्सा रात-दिन गेमिंग में डूबा रहता है, जिससे उनके व्यक्तित्व और भविष्य पर गहरा नकारात्मक असर पड़ रहा है। यह संकट केवल आर्थिक ही नहीं, मानसिक और सामाजिक भी है। दिन-रात स्क्रीन से चिपके रहने वाले युवक चिड़चिड़ापन, अवसाद और एकाकीपन का शिकार हो रहे हैं। उनमें हिंसक प्रवृत्तियां भी उभर रही हैं। कई ऐसी खबरें भी आ चुकी है, जिनमें लगातार आनलाइन गेम खेलते रहने से मना करने पर कोई किशोर हिंसक हो गया और उसने या तो आत्महत्या कर ली या फिर किसी की जान ले ली। ऑनलाइन गेमिंग से जुड़ी लत रिश्तों को तोड़ रही है, दोस्ती और पारिवारिक बंधनों को कमजोर कर रही है। एक पूरी पीढ़ी, जिसे राष्ट्रनिर्माण की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए था, अपनी ऊर्जा और रचनात्मकता इस आभासी जुए में गँवा रही है। सरकार के मुताबिक, वह ई-स्पोर्ट्स और सोशल गेमिंग को बढ़ावा देने के लिये अवश्य उत्सुक है, जिसमें कोई वित्तीय जोखिम न हो। यहां उल्लेखनीय है कि ऑनलाइन गेमिंग का वार्षिक राजस्व 31,000 करोड़ रुपये से अधिक है। इसके साथ ही यह हर साल प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष करों के रूप में बीस हजार करोड़ रुपये से अधिक का योगदान देता है। लेकिन इसके साथ चिंता का विषय यह भी है कि सुनहरे सब्जबाग दिखाने वाले कई ऑनलाइन गेमिंग एप लत, खेलने वाले आम लोगों के आर्थिक नुकसान और मनी लॉन्ड्रिंग को भी बढ़ावा देते हैं। यही वजह है कि ऑनलाइन गेमिंग में अपनी जमा पूंजी लुटाने वाले बदकिस्मत उपयोगकर्ता नाकामी के बाद आत्महत्या तक करने को मजबूर हो जाते हैं। निस्संदेह सरकार ने राजस्व की परवाह न करते हुए ऑनलाइन मनी गेमिंग पर पूर्ण प्रतिबंध लगाकर एक बड़ा जोखिम भी उठाया है। लेकिन सवाल यह भी है कि क्या केवल कानून से इस प्रवृत्ति पर अंकुश लग सकेगा? इंटरनेट का विस्तृत दायरा और विदेशी ऑनलाइन ऑपरेटर विधेयक के प्रमुख उद्देश्यों को विफल करने की कोशिश कर सकते हैं। यह नितांत अपेक्षित है कि वित्तीय प्रणालियों की अखंडता के साथ-साथ राष्ट्र की सुरक्षा और संप्रभुता की रक्षा होनी चाहिए। माना जा रहा है कि इस नये कानून को बनाने की जरूरत संभवतः छह हजार करोड़ रुपये वाले महादेव ऑनलाइन सट्टेबाजी घोटाले के बाद महसूस की गई। जिसकी जांच सीबीआई और ईडी कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ के कुछ शीर्ष राजनेताओं और नौकरशाहों पर सट्टेबाजी एप के यूएई स्थित प्रमोटरों के साथ संबंध होने के आरोप लगे हैं। जो कथित तौर पर हवाला कारोबार और विदेशों में धन-शोधन के कार्यों में लिप्त बताये जाते हैं।

भारत सरकार का यह कदम इसलिए भी जरूरी एवं प्रासंगिक है कि इस उद्योग का टर्नओवर कई आर्थिक, राष्ट्रीय एवं सामाजिक विसंगतियों के साथ कई हजार करोड़ तक पहुंच गया है। विदेशी कंपनियां भी इस क्षेत्र में सक्रिय होकर भारतीय युवाओं को लुभाने के लिए तरह-तरह के विज्ञापन और

प्रलोभन दे रही हैं। इन मंचों पर जीतने की लालच में फंसकर युवा अपने उज्ज्वल भविष्य को दांव पर लगा रहे हैं। यह प्रवृत्ति केवल व्यक्तिगत जीवन नहीं बिगाड़ती, बल्कि राष्ट्र की प्रगति में भी बाधक है, क्योंकि जिन युवाओं को शिक्षा, विज्ञान, प्रौद्योगिकी और राष्ट्रनिर्माण में योगदान देना चाहिए, वे अपना समय और ऊर्जा इन आभासी खेलों में गवां रहे हैं। आज जरूरत है कि ऑनलाइन गेमिंग की इस समस्या को केवल कानूनी दायरे में ही नहीं, बल्कि सामाजिक और पारिवारिक स्तर पर भी गंभीरता से लिया जाए। अभिभावकों को चाहिए कि वे बच्चों को समय पर समझाएं, उनका मार्गदर्शन करें और उन्हें सकारात्मक गतिविधियों की ओर प्रेरित करें। समाज को भी मिलकर यह संकल्प लेना होगा कि मनोरंजन के नाम पर फैल रहे इस जुए की घातक एवं विध्वंसक संस्कृति को बढ़ावा न दिया जाए।

यह ठीक है कि सरकार ने ऑनलाइन गेमिंग को नियंत्रित करने का प्रस्ताव पारित कर एक सही दिशा में सराहनीय कदम बढ़ाया है, लेकिन कानून से भी अधिक जरूरी है जागरूकता। जब तक लोग स्वयं यह नहीं समझेंगे कि गेमिंग का यह जुआ उनके भविष्य को तबाह कर रहा है, तब तक समस्या का समाधान संभव नहीं है। इसलिए अब समय आ गया है कि हम मनोरंजन के नाम पर छल रही इस प्रवृत्ति का पर्दाफाश करें और अपने युवाओं को सुरक्षित, रचनात्मक और सकारात्मक भविष्य की राह पर अग्रसर करें। असंख्य परिवारों को आज अपने बच्चों की इस आदत के कारण कर्ज और बर्बादी में अंधेरों में जाने से बचाये। खेल के नाम पर ऑनलाइन मंचों पर पैसा लगाना दरअसल सट्टेबाजी ही है, जिसमें जीत की संभावना क्षणिक होती है और हार की संभावना लगभग निश्चित। लाखों युवक अपने खून-पसीने की कमाई या माता-पिता की मेहनत की कमाई को इन कंपनियों की तिजोरियों में डाल रहे हैं। यह समस्या अब जुए की लत से भी अधिक खतरनाक हो चुकी है, क्योंकि इसमें तकनीक की चकाचौंध और आसानी से उपलब्धता ने युवाओं को पहले से ज्यादा असुरक्षित बना दिया है।

यह बात किसी से छिपी नहीं है कि ऑनलाइन गेमिंग का बाजार बीते कुछ वर्षों में तेजी से फैला है। विज्ञापनों, प्रलोभनों और चमकदार ऑफरों ने युवाओं को अपने शिकंजे में इस तरह जकड़ लिया है कि लाखों लोग इसमें डूबकर अपनी शिक्षा, करियर और परिवार तक को दांव पर लगा बैठे हैं। जब खेल केवल मनोरंजन तक सीमित रहता है तब तक उसकी उपयोगिता है, पर जैसे ही इसमें धन और लालच का तत्त्व जुड़ता है, यह जुए में बदल जाता है। और यही वह बिंदु है जहां से विनाश की शुरुआत होती है। सच्चाई यह है कि ऑनलाइन गेमिंग का जाल इतना व्यापक हो चुका है कि इसे रोकने के लिए कानून की सख्ती के साथ-साथ सामाजिक जागरूकता और पारिवारिक हस्तक्षेप भी उतने ही जरूरी हैं। ऑनलाइन मनी गेमिंग के सख्त नियमन और इसे भारी कराधान के अधीन लाना एक व्यावहारिक समाधान होगा। साथ ही पारदर्शिता और जवाबदेही पर जोर देकर उपभोक्ताओं के लिये सुरक्षा उपाय सुनिश्चित किए जाने की भी जरूरत है। इस अभियान में गैर-कानूनी गतिविधियों में लिप्त प्लेटफॉर्मों पर जुर्माना भी लगाना एवं बड़े-बड़े दावे करने वाली मशहूर हस्तियों पर कार्रवाई भी होते हुए दिखनी चाहिए, तभी यह कानून कारगर एवं प्रभावी बन पायेगा।

निशाना

लाए जो विधेयक !

- कृष्णेन्द्र राय

हैं लाए विधेयक ।
तय आना बदलाव ।।
बन गए बेशर्म जो ।
मिले उनको घाव ।।
था बना जब संविधान ।
आएगा ये दिन ।।
ना किसी ने समझा ।
बात ये महीन ।।
अब तक भ्रष्टाचार ने ।
क्या क्या रंग दिखाया ।।
लाए जो विधेयक ।
इसमें सब समाया ।।
हो जाए पड़ताल ।
है सुंदर परिणाम ।।
समय बीतता जाएगा ।
होगा इस पर काम ।।

आज का इतिहास

- 1303 - अलाउद्दीन ख़लिजी ने चित्तौड़गढ़ पर कब्जा किया
- 1910- नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित मदर टेरेसा का युगोस्लाविया में जन्म
- 1914- बंगाल के क्रांतिकारियों ने कलकत्ता में ब्रिटिश बेड़े पर हमला कर 50 माउजर और 46 हज़ार राउंड गोलियाँ लूटी।
- 1920 - अमेरिका में महिलाओं को मताधिकार मिला।
- 1977 - जर्मनी के म्यूनिख शहर में 20वें ओलंपिक खेलों की शुरूआत।
- 1982- नासा ने टेलीसेट-एफ का प्रक्षेपण किया।
- 1999 - माइकल जॉनसन ने 400 मीटर दौड़ में विश्व रिकार्ड बनाया।

खिले कांस के फूल..... वर्षा की विदाई के संकेत

नर्मदापुरम। इन दिनों खेतों में चारों तरफ कांस के फूल खिले हुए हैं। मान्यता है कि कांस फूलने का मतलब वर्षा के ढलान पर आने के संकेत हैं। रामचरित मानस में भी कांस फूलने का वर्णन है। गोस्वामी तुलसीदास ने चौपाई में वर्षा ऋतु का वर्णन करते हुए लिखा है 'फूले कांस सकल मही छाई,जनु बरसा कृत प्रकट बुढ़ाई' अर्थात कांस नामक घास में फूल आ जाने पर वर्षा ऋतु का बुढ़ापा आने लगता है।

-मयंक यादव

उदयगिरि की पहाड़ी पर तेंदुए का खौफ

विदिशा। दोपहर मेट्रो

यहां से पांच किलोमीटर की दूरी पर स्थित उदयगिरि की पहाड़ी पर जून में एक तेंदुए के आने से इलाके में दहशत का माहौल बन गया था। उस समय वन विभाग के अमले ने उदयगिरि के रहवासियों को आश्वासन दिया था कि जल्द ही तेंदुए को रेस्क्यू कर लिया जाएगा। परंतु चार माह होने के बाद भी तेंदुए को पकड़ा नहीं जा सका। ग्रामीण लोगों का कहना हैं। अब ग्रामीणों का दवा है कि तेंदुओं की संख्या एक से ज्यादा है। गांव के ही मनमोहन विश्वकर्मा ने बताया कि उन्होंने अपने मोबाइल फोन से वीडियो बनाया है जिसमें दो बड़े तेंदुए दिखाई दे रहे हैं। शायद वो नर और मादा है। साथ ही दो छोटे बच्चे भी दिखते है। रहवासियों का कहना है, जबसे तेंदुए आए हैं पहाड़ी पर जाना प्रतिबंधित है। इससे पर्यटकों का आना भी कम हुआ है। उनका व्यापार भी नहीं चल रहा। ग्रामीणों की वन विभाग से मांग हैं कि तेंदुए को रेस्क्यू कर उदयगिरि से बाहर भेज दिया जाए । वन विभाग के अधिकारियों का कहना हैं कि सिर्फ एक ही तेंदुआ है। ओर वो कभी भी किसी भी प्रकार की किसी व्यक्ति या पालतू पशु को नुकसान नहीं पहुंचा रहा, इसलिए विभाग उसे पकड़ना नहीं चाहता।

खराब मिलता है खाना, नहाने का पानी भी नहीं... विद्यार्थियों ने कलेक्टर से लगाई गुहार

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

अपनी मूलभूत समस्याओं को लेकर 60 से अधिक छात्र स्कूल यूनिफार्म और बस्ता लेकर कलेक्टर कार्यालय पहुंच गए। नर्मदापुरम के जनजातीय कार्य विभाग के एससी/एसटी सीनियर बालक छात्रावास के छात्रों ने खराब खाने, नहाने के लिए पर्याप्त पानी न मिलने समेत अन्य समस्याएं कलेक्टर सोनिया मीना को बताईं। कलेक्टर ने जिला शिक्षा अधिकारी और एसडीएम को समस्याओं का समाधान करने के निर्देश दिए।

रोटी की शिकायत की तो वार्डन बोलीं अपने घर से बनाकर ले आओ

छात्रों ने छात्रावास अधीक्षक पर आरोप लगाया कि उन्हें बासी रोटी दी जाती है और पर्याप्त पानी उपलब्ध नहीं कराया जाता। छात्र सुमित अखण्डे ने बताया कि मैंने रोटी की शिकायत की तो हॉस्टल की वार्डन ने कहा कि अपने घर से रोटी बनाकर ले आओ। कक्षा 12वीं के छात्र मनीष के अनुसार हॉस्टल में 100 छात्र हैं। अधीक्षक सर केवल 2 घंटे ही पानी की मोटर चलाने देते हैं। ऐसे में हम नहा भी नहीं पाते और कपड़े भी नहीं धो सकते। एसडीएम और डीईओ ने छात्रों की समस्याएं सुनीं और मौके पर जाकर समाधान कराने का आश्वासन दिया।

शांति समिति की बैठक में उत्सव समितियों को दिए गए निर्देश

सड़क पर नहीं लग सकेंगे पंडाल, तेज आवाज में डीजे बजाने वालों पर प्रशासन लेगा एक्शन

इटारसी। दोपहर मेट्रो

गणेश उत्सव को शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित तरीके से संपन्न कराने के उद्देश्य से सोमवार को विश्राम ग्रह में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रशासन और विभिन्न गणेश समितियों के सदस्यों ने महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की, जिसमें गणेश प्रतिमा विसर्जन, डीजे का उपयोग और पंडालों के नियम शामिल थे।

थाना प्रभारी गौरव सिंह बुंदेला ने गणेश समितियों से आग्रह किया कि वे प्रतिमा विसर्जन से दो दिन पहले विसर्जन के समय और मार्ग की पूरी जानकारी पुलिस को दें। इससे पुलिस को सुरक्षा और व्यवस्था सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि रात्रि गश्त के दौरान यदि कोई अप्रिय घटना होती है, तो उसके लिए गश्त पर तैनात जवान जिम्मेदार होंगे। इसके लिए गणेश समितियों को गश्त कर रही पुलिस टीम के नाम और जानकारी नोट करने के लिए कहा गया। इस बैठक में एसडीओपी वीरेंद्र कुमार मिश्रा, नगर पालिका सीएमओ रितु मेहरा, तहसीलदार शक्ति सिंह तोमर, थाना प्रभारी गौरव सिंह बुंदेला, वरिष्ठ पत्रकार प्रमोद पगारे, नपा उपाध्यक्ष निर्मल सिंह राजपूत सहित बड़ी संख्या में नागरिक और विभिन्न गणेश समितियों के पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक का उद्देश्य आपसी सहयोग और समन्वय से गणेश उत्सव को सफलतापूर्वक संपन्न कराना है।

मादक पदार्थों के सेवन पर रहेगा पूर्ण प्रतिबंध

बैठक में डीजे के अत्यधिक शोर का मुद्दा भी उठाया गया। एसडीएम टी प्रतीक राव ने डीजे संचालकों को सख्त निर्देश दिए कि डीजे की आवाज 1 डेसिबल से अधिक न हो। उन्होंने पंडालों में किसी भी तरह के मादक पदार्थों के सेवन पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का भी निर्देश दिया। सड़कों पर पंडाल बनाए जाने की समस्या पर भी चर्चा हुई। पार्षद अमित विश्वास ने अधिकारियों को अटल पार्क के पास सड़क पर बने पंडाल की जानकारी दी, जिस पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

खाद की कालाबाजारी के विरुद्ध सक्रियता दिखाएं अधिकारी

खाद वितरण एवं मूंग भुगतान की समीक्षा बैठक में कलेक्टर ने दिए निर्देश

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

जिले में कृषकों को खाद की नियमित आपूर्ति एवं वितरण सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना की अध्यक्षता में आयोजित बैठक के दौरान उन्होंने उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि सहकारी समितियों के माध्यम से एनपीके/एसएसपी का उठाव सुनिश्चित कर किसानों को समय पर वितरण किया जाए। शासन द्वारा प्राप्त खाद आवंटन का वितरण सहकारी समितियों एवं गोदामों के माध्यम से 50-50 मॉड्यूल के आधार पर ही किया जाए। समितियों द्वारा की जा रही खाद वितरण व्यवस्था की जानकारी किसानों को उपलब्ध कराई जाए ताकि किसानों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि दूरस्थ ग्रामों में क्लस्टर तैयार कर इस सप्ताह से ही किसानों को समितियों के माध्यम से खाद वितरण सुनिश्चित किया जाए। बैठक में मूंग खरीदी की लंबित जांच की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने निर्देश दिए कि सभी प्रकरणों की जांच शीघ्रता से पूर्ण की जाए। उन्होंने सहकारिता विभाग को विशेष रूप से जांच प्रकरणों पर तत्परता से कार्य करने के निर्देश दिए। किसानों को मूंग खरीदी का भुगतान शीघ्र किया जाए।

हैंडलूम कार्यशाला भवन का शिलान्यास 50 लाख से बनेगा

माहेश्वरी साड़ी बुनने वालों को मिलेगी अपनी पक्की छत

मनोज गौड, महेश्वर।

ग्राम पंचायत लड़ावी के ग्राम खारिया में एनटीपीसी से मिले 50 लाख रुपये से निर्मित होने वाले हैंडलूम कार्यशाला भवन का शिलान्यास क्षेत्रीय विधायक राजकुमार मेव ने किया। इस भवन के तैयार होने से लगभग 50 बुनकर परिवारों को कच्चे मकानों के स्थान पर एक ही छत के नीचे बुनाई कार्य की सुविधा उपलब्ध होगी। विधायक ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि महेश्वरी साड़ी बनाने वाली मातृशक्ति को आत्मनिर्भर बनाना ही हमारा प्रमुख लक्ष्य है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में राज्य सरकार निरंतर महिलाओं को स्वरोजगार और हस्तकरघा के माध्यम से सशक्त बनाने में जुटी हुई है। उन्होंने विश्वास जताया कि यह भवन न केवल बुनकर बहनों के जीवन स्तर को ऊँचा उठाएगा, बल्कि महेश्वरी साड़ी को राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान भी दिलाएगा। उन्होंने कहा कि आज का यह दिन महेश्वरी हैंडलूम की परंपरा को आगे बढ़ाने में ऐतिहासिक साबित होगा। हमारी दीदियाँ और बहनें अपनी कला से न सिर्फ आत्मनिर्भर होंगी, बल्कि क्षेत्र का गौरव भी बढ़ाएंगी। शिलान्यास अवसर पर भूपेंद्र जैन, विक्रम पटेल, महादेव पाटीदार, जितेंद्र केवट, श्रीमती सिंधु जोशी, श्रीमती मोहिनी बाथम, राजेंद्र कुमार गुप्ता, कार्यपालन यंत्री श्रीमती सविता सोलंकी, एसडीओ लिंकन अलावा एवं हस्तकरघा विभाग के राजकुमार सर्राफ सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे।

ब्रह्माकुमारी नंदिनी बोलीं रक्तदान सबसे बड़ा दान

गंजबासौदा। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय सेवा केंद्र द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन हुआ। ब्रह्माकुमारीज नन्दनी दीदी नें रक्तदान अभियान के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह अभियान संस्थान क़ीदादी प्रकाशमणि कि 18 वीं पुण्यतिथि के अवसर पर पूरे देश में एक साथ किया गया है। रक्तदान सबसे बड़ा दान है। । आज हम देखते है कि कई जरुरत मंद लोगों को समय पर रक्त न मिलने से वह अपनी जान गवां देते है। ब्राह्मकुमारी के समाज सेवा प्रभाग नें पूरे देश में एक लाख यूनिट ब्लड डोनेट करने का लक्ष्य रखा है। रक्तदान को हम महादान कहते हैं क्योंकि यह दान किसी गरीब या अमीर को नहीं बल्कि इंसान को बचाने के लिए किया जाता है। रक्त की कोई फैक्ट्री नहीं है कोई दवा नहीं है और न ही कोई कृत्रिम विकल्प। रक्त केवल इंसान ही इंसान को दे सकता है। कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारी अनु दीदी ने कहा कि एक व्यक्ति जब रक्तदान करता है तो वह किसी ज़रूरतमंद को जीवनदान देता है। जब हमारे अंदर इंसानियत होती है तभी हम एक दूसरे की सेवा कर सकते है। आज दादी प्रकाशमणि की पुण्य स्मृति दिवस पर जो रक्त दान शिविर का आयोजन किया गया यह एक यूनिट रक्त तीन से चार लोगों की जान बचा सकता है। दुर्घटनाओं, प्रसव जटिलताओं, कैंसर, थैलेसीमिया और बड़ी सर्जरी के दौरान रक्त की कमी जानलेवा साबित हो सकती है। ऐसे में स्वेच्छा से रक्तदान करने वाले लोग अनगिनत जीवन बचाने में अहम भूमिका निभाते हैं।

संत नामदेव पर टिप्पणी पर जताया विरोध

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

संत नामदेव पर की गई आपत्तिजनक टिप्पणी के विरोध में नामदेव समाज ने सीएम को संबोधित एक ज्ञापन प्रशासन को सौंपा। ज्ञापन में यूनिवर्स बुक्स द्वारा प्रकाशित पुस्तक पर आपत्ति जताते हुए लेखक एवं प्रकाशक पर कठोर दंडात्मक कार्रवाई करने तथा पुस्तक की बिक्री पर तत्काल प्रतिबंध लगाने की मांग की गई है। नामदेव समाज के सदस्यों ने नारेबाजी कर अपना विरोध जताया। इस दौरान समाज के सदस्यों ने बताया कि संत नामदेव जी भारतीय भक्ति आंदोलन के महान संत एवं समाज सुधारक रहे हैं, उनके प्रति की गई गलत टिप्पणी समाज की आस्था और सम्मान पर गहरा आघात है। यूनिवर्स बुक्स द्वारा प्रकाशित पुस्तक पुस्तक में संत नामदेव के प्रति अनुचित एवं अपमानजनक से नामदेव समाज आहत है। पुस्तक में दिए गए कथन न केवल ऐतिहासिक तथ्यों के विपरीत है बल्कि समाज की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाले भी हैं।। इस अवसर पर राजकुमार नामदेव, सुनील नामदेव, नरेश नामदेव, रवि नामदेव, सतीश नामदेव, अनिल नामदेव तथा दीपक नामदेव के साथ ही अनेक समाजजन मौजूद थे।

मेट्रो एंकर

जटाशंकर मंदिर तक नाचते-गाते तय किया 16 किलोमीटर का सफर

जयकारों की ध्वजा के साथ निकली भगवान रामदेव की शोभायात्रा

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

रामदेव भगवान के जन्मोत्सव पर नायक बंजारा समाज द्वारा शोभायात्रा निकाली गई।आयोजन समिति के सदस्यों ने गांव-गांव पहुंचकर समाज के लोगों से सम्पर्क किया था जिसका असर यात्रा में दिखाई दे रहा था । भोपाल रोड पर स्थित प्राचीन जटाशंकर मंदिर परिसर से यात्रा शुरू हुई। अनेक श्रद्धालुओं ने बाबा रामदेव के जयकारे लिखे ध्वज थाम रखे थे। वहीं अनेक श्रद्धालु डीजे से निकल रहे भजनों की धुन पर थिरकते हुए चल रहे थे। समाज द्वारा एक बग्घी को रथ का रूप देकर उसमें भगवान रामदेव की तस्वीर को स्थापित किया गया था। जगह-जगह पर भक्तों ने इस तस्वीर की पूजा-अर्चना कर अमनिया भेंट किया।

जगह-जगह पर समिति और संस्थाओं ने फूल बरसाकर स्वागत किया। बड़ा बाजार में भाजपा संगठन ने स्वागत कर आरती की। इस अवसर पर विधायक प्रतिनिधि रमेश यादव, नपाध्यक्ष मनमोहन साहू, हरिचरण अहिरवार, नरेन्द्र पाटीदार, रिंकू यादव, बलजीत यादव, संतोष रघुवंशी तथा शरद चौरसिया आदि मौजूद थे। इसके पहले जनपद पंचायत कार्यालय के बाहर जनपद सदस्यों और सरपंचों ने फूल बरसाकर शोभायात्रा का स्वागत किया।

देवपुर में आयोजित भंडारे में उमड़े श्रद्धालु

नायक बंजारा समाज की यह शोभायात्रा पुराना बस स्टैंड से पुराना कोर्ट एरिया, चांदनी चौक, कपड़ा बाजार, सराफा बाजार, कठाली बाजार, विद्यार्थी पथ, कस्टम पथ और बामौरा रोड से होते हुए छतरी नाका चौराहा पहुंची। यहां से सभी श्रद्धालु बाबा विश्वनाथ की नगरी देवपुर की ओर रवाना हो गए। जटाशंकर मंदिर से देवपुर के बीच 16 किमी लंबा यात्रा मार्ग भक्तों ने झूमते-गाते पूरा किया। देवपुर में पहुंचकर समाज के सदस्यों ने भगवान रामदेव मंदिर में विशेष पूजा की। इसके बाद नायक बंजारा समाज के विशाल भंडारे का आयोजन भी किया गया।

पुलिस कंट्रोल रूम पहुंचकर एसपी ने किया निरीक्षण

बेखौफ होते जा रहे हैं अपराधी, चोरी से परेशान लोगों ने तहसील में दिया ज्ञापन

जिले में अपराधियों के हौसले बुलंद हैं। पैसों के लेन देन को लेकर एक युवक को चाकू मारकर घायल कर दिया गया। बक्स्वाहा थाना क्षेत्र में बढ़ती चोरी की घटनाओं से परेशान लोगों ने प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपा। उधर, एक महिला अपनी बेटी को लेकर चाचा -भतीजे के साथ फरार हो गई। बढ़ती घटनाओं के बाद पुलिस की नींद टूटी तो पुलिस अधीक्षक कंट्रोल रूम का निरीक्षण करने पहुंच गए।

छतरपुर। दोपहर मेट्रो

सिविल लाइन थाना क्षेत्र में लेनदेन के विवाद में ऋतिक खरे (24) को रस्ते में रोककर लाठी-डंडों और चाकू से हमला कर घायल कर दिया। उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पीड़ित के साथ मारपीट की यह को पहली घटना नहीं है। इसके पहले भी दो बार आरोपियों ने उसकी पिटाई की। जिसकी रिपोर्ट भी थाना में दर्ज है ,पर पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की।

बताया गया है कि सिविल लाइन थाना क्षेत्र के देरी रोड पर रहने वाला ऋतिक खरे, पनौठा गांव से लौट रहा था, तभी सागर रोड पर हरी वाटिका के पास हमलावरों ने उसे घेर लिया और लाठी-डंडों से मारपीट कर उस पर चाकू से वार भी किया, जिससे उसकी पीठ और पैर में चोटें आईं हैं। घायल रितिक को परिजनों ने छतरपुर जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां सिविल लाइन थाना पुलिस भी पहुंची। रितिक ने बताया कि वह सीमेंट बेचने का काम करता है और आरोपियों से उसके 50 हजार रुपये मिलना हैं।

चोरों की दहशत: ताले तोड़कर चुरा ले गए जेवर व नकदी

बकस्वाहा नगरवासी बढ़ती चोरी की घटनाओं से भयभीत है। लगातार हो रही चोरियों के बाद भी पुलिस की निष्क्रियता से नाराज नागरिकों ने तहसीलदार और थाना प्रभारी को ज्ञापन सौंपकर शीघ्र कार्रवाई की मांग की है। 21 अगस्त की रात वार्ड क्रमांक 15 और 10 में अज्ञात चोरों ने घरों के ताले तोड़कर जेवरात, नकदी और घरेलू सामान चुरा लिया। पीड़ितों ने बताया कि पुलिस ने केवल कच्ची रिपोर्ट दर्ज की, लेकिन चार दिन बीत जाने के बाद भी न तो एफआईआर दर्ज हुई और न ही चोरों का कोई सुराग मिला। इससे नाराज नागरिकों ने तहसीलदार भरत पांडे और थाना प्रभारी अवधेश दुबे को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में मांग की गई कि शीघ्र एफआईआर दर्ज कर चोरों को गिरफ्तार किया जाए और चोरी की घटनाओं का पर्दाफाश हो। साथ ही, नागरिकों ने रात्रिकालीन गश्त बढ़ाने की अपील की ताकि लोग बिना डर के चैन की नींद सो सकें। तहसीलदार भरत पांडे ने पुलिस को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश देने की बात कही, जबकि सब इंस्पेक्टर अवधेश दुबे ने जल्द चोरों को पकड़ने का आश्वासन दिया। छतरपुर जिले में बक्सवाहा में चोरी की घटनाओं में वृद्धि हो रही हो ऐसा भी नहीं है। बल्कि छतरपुर जिला मुख्यालय सहित जिले के तमाम क्षेत्रों में चोरी की घटनाओं में वृद्धि हुई है । देरी रोड पर चोरों ने एक सूने घर को निशाना बनाकर जेवर और नकदी चुरा ली।

बेटी को लेकर चाचा-भतीजे के साथ गायब हो गई महिला

बमीठा थाना अंतर्गत चंद्र नगर चौकी के टौरिया गांव से एक महिला अपनी बड़ी बेटी के साथ फरार हो गई। महिला का पति बाबूलाल यादव अब पुलिस के चक्कर काट रहा है। उन्होंने बताया कि उसके दो पुत्र एक पुत्री है जो सबसे बड़ी है। यादव ने बताया कि उसकी पत्नी किसी से फोन पर बात करती थी। बीते रोज शाम के वक्त एक नंबर से पहले मैसेज आया और उसके बाद फोन। जब उसने फोन उठाया तो सामने वाले व्यक्ति ने गलती से फोन लगने की बात कहकर फोन काट दिया। रात को जब सभी लोग सो गए थे, एक बजे उसकी नींद खुली तब सभी लोग सो रहे थे 7 आधे घंटे बाद जब वह जागा तो उसकी बड़ी बेटी और पत्नी दोनों गायब थे। उसने आसपास तलाश की तो एक जगह पता चला कि कुछ देर पहले एक महिला गांव के एक युवक के साथ ऑटो में गई है। बाबूलाल का कहना है कि उसकी पत्नी घर में रखे 80 हजार रुपये नकद, सोने की दो चूड़ियां और मंगलसूत्र ले गई है। उसे संदेह है कि गांव का एक ऑटो चालक और उसका भतीजा उसकी पत्नी और बेटी को कहीं ले गया है।

नपा उपाध्यक्ष ने भी अध्यक्ष का साथ छोड़ा

विदिशा। नगर पालिका परिषद में घमासान तेज होता जा रहा हैं। बागी पार्षदों ने अध्यक्ष के खिलाफ मोर्चा खोल रखा हैं। 18 पार्षद पिछले दो महीने से भाजपा आलाकमान से लगातार नपा अध्यक्ष प्रीति राकेश शर्मा को हटाने की मांग कर रहे है। हाल ही में बागी पार्षदों ने भाजपा जिलाध्यक्ष को ज्ञापन सौंपा था। इसमें नपा के उपाध्यक्ष संजय दिवाकृति ने भी अपने हस्ताक्षर कर अध्यक्ष को हटाने के लिए अपनी स्वीकृति दी है। अब सवाल यही उठ रहा हैं कि क्या एक एक करके सभी पार्षद बागी हो जाएंगे। वहीं जो नपा अध्यक्ष के साथी पार्षद हैं, उनका भी कहना हैं कि जब अध्यक्ष का इतना विरोध हो रहा हैं तो उनको आगे कि रणनीति पर विचार करना चाहिए।

विधायक ने की साइकिल वितरित

गंजबसौदा। पीएम श्री शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मंडी एवं बेहलोट में छात्राओं को निशुल्क साइकिल वितरित की गई। पुरस्कार वितरण समारोह भी आयोजित हुआ। बेहलोट में सीसी रोड का भूमि पूजन भी विधायक हरिसिंह रघुवंशी द्वारा किया गया। कन्या मंडी शाला में आयोजित कार्यक्रम में विधायक हरिसिंह रघुवंशी ने कक्षा 6 एवं कक्षा 11 की छात्राओं को साइकिल वितरित की । इस योजना के तहत 52 छात्राओं को साइकिल उपलब्ध हुई। साइकिल पाकर छात्राओं के चेहरे खिल उठे। विधायक ने छात्राओं को पुरस्कार वितरण भी किए। विधायक ने बहलोट एकीकृत शाला की छत निर्माण के लिए विधायक निधि से 3 लाख की राशि स्वीकृत की।

सुनील गाडगे बने पत्रकार संघ अध्यक्ष

महेश्वर। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया क्लब की एक अहम बैठक में सर्वसम्मति से सुनील गाडगे को नया अध्यक्ष चुन लिया गया है। बैठक में निवर्तमान अध्यक्ष आतिश बिछवे का कार्यकाल पूरा होने के बाद यह निर्णय लिया गया। इसके साथ ही, इस क्लब का नाम बदलकर नगर पत्रकार संघ महेश्वर कर दिया गया है। नवनिर्वाचित अध्यक्ष सुनील गाडगे का सभी उपस्थित पत्रकारों ने फूलमाला पहनाकर स्वागत किया और उन्हें शुभकामनाएं दीं। इस मौके पर, निवर्तमान अध्यक्ष आतिश बिछवे के साथ-साथ विनोद ढाले, राजेश पंवार , रविंद्र खांडेकर, प्रशांत कौशल, मनोज गोड, अंकुश पाटीदार, विशाल अंबेकर, रविशंकर खेड़े और आशीष खेड़े सहित अन्य पत्रकार भी मौजूद थे।अध्यक्ष चुने जाने पर सुनील गाडगे ने सभी पत्रकारों को धन्यवाद दिया और विश्वास दिलाया कि वे पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ काम करेंगे। उन्होंने कहा कि जब भी किसी पत्रकार को उनकी आवश्यकता होगी, वह हमेशा उनके साथ खड़े रहेंगे और पत्रकारों के सम्मान के लिए सदैव उपलब्ध रहेंगे।

प्रदेश में मिलेगा राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार

दमोह। केन्द्र सरकार के स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग द्वारा राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कारों की घोषणा की गई है। इनमें मध्य प्रदेश के दो शिक्षक भी शामिल हैं। दमोह जिले की प्राथमिक शिक्षक शीला पटेल और आगर-मालवा के माध्यमिक शिक्षक भेरूलाल ओसारा को नई दिल्ली में सम्मानित किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित होने वाले शिक्षकों को बधाई और हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। स्कूल शिक्षा मंत्री उदयप्रताप सिंह ने भी चयनित शिक्षकों को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि चयनित शिक्षकों को श्रेष्ठ कार्यों की वजह से मध्य प्रदेश को गौरवान्वित करने का अवसर मिला है। राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार चयनित दमोह जिले की प्राथमिक शिक्षक शीला पटेल, शासकीय प्राथमिक शाला देवरान टपरिया में पदस्थ हैं। राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार से चयनित आगर-मालवा जिले के भेरूलाल ओसारा माध्यमिक शिक्षक शासकीय ईपीईएस माध्यमिक शाला खेरिया सुसनेर में पदस्थ हैं।

अलर्ट: बरगी डैम के 17 गेट खुले, नर्मदा में बाढ़ के हालात

जबलपुर। शहर में अभी भी भारी बारिश का दौर जारी है, जिससे नर्मदा नदी भी उफान पर आ गई है। अब तक जबलपुर के आसपास 17 इंच के लगभग बारिश हो चुकी है। मगंलवार को बरगी बांध के 13 और फिर चार गेट मिलाकर 17 गेट खोल दिए गए हैं। इससे नर्मदा नदी में बाढ़ के हालात हैं। जबलपुर में नर्मदा के सभी घाट डूबे हुए हैं।

सहकारी संस्था में दिया गया सम्मान एवं पुरस्कार

महेश्वर। श्री एस.एस.के. साख सहकारी समिति महेश्वर के अंशधारकों की तृतीय साधारण आमसभा का हिंगलाज मंदिर धर्मशाला में संस्था अध्यक्ष शिवनारायण अध्यक्षता में हुई। विगत वर्ष में संस्था के दिवंगत सदस्यों की आत्मा की शांति हेतु मौन रखकर श्रंद्वाजलि दी गई। इस अवसर पर समाज के परंपरागत व्यवसाय हेण्डलूम साडी उद्योग में नवाचार एवं उत्कृष्ट कार्य करने वाले संस्था के सदस्य आलोक बिछवे, जगदीश दाणे, अभिजीत खरे, उमेश पवार एवं सुनील चावण्डे का सम्मान करते हुए प्रशस्तिपत्र प्रदान किया गया। वर्ष 2025 में कक्षा 12वीं में उच्चतम अंक प्राप्त करने वाले संस्था सदस्य के प्रतिभाशाली बच्चों को पुरस्कार दिए गए।

संयुक्त मोर्चा के पदाधिकारी का स्वागत कर किया सम्मान

बुरहानपुर। दोपहर मेट्रो

अखिल भारतीय उर्दू शिक्षक संघ के बैनर तले संयुक्त मोर्चा के पदाधिकारी का स्वागत किया गया। अखिल भारतीय उर्दू शिक्षक संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ अशफाक खान को अधिकारी- कर्मचारी जिला संयुक्त मोर्चा का जिला अध्यक्ष बनाए जाने पर शाल ,श्रीफल द्वारा स्वागत किया गया। इसी प्रकार नेपानगर के जन शिक्षक राजेश पाटिल को मोर्चा का जिला उपाध्यक्ष घोषित किया गया। इसी तरह विजय अगणनी का जिला स्तरीय शैक्षिक संगोष्ठी में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर स्वागत किया गया।

कर्मचारी महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष एवं नेशनल मूवमेंट ऑफ ओल्ड पेंशन स्कीम के प्रांतीय संयोजक ठाकुर संतोष सिंह दीक्षित ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। संतोष सिंह दीक्षित ने कहा कि आप कर्मचारी हित में कार्य कीजिए। प्रत्येक कर्मचारी की समस्या को अपना समझ कर सुलझाना है। इस अवसर पर शकील हामी, जावेद अहमद खान, आसिफ खान, शौकत खान, इफ्तिखार अंसारी , जफर अली जफर अंसारी एवं मोहम्मद अली उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन युसूफ पूरेदार ने किया और आभार जावेद अहमद ने माना।

सागर की घटना का खुलासा

बेटे ने ही की थी दोस्त के साथ मिलकर सौतेली मां की हत्या

जेवर और नगदी लेकर हो गया था फरार

सागर। दोपहर मेट्रो

गोपालगंज थाना तहत नाखरे वाली गली निवासी एक महिला की हत्या के मामले में पुलिस ने खुलासा किया है। महिला का हत्यारा उसका पुत्र ही निकला। आरोपी अजय सिंह ने अपने दोस्त के साथ मिल कर की थी अपनी सौतेली मां की हत्या। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर सोने चांदी के आभूषण जब्त कर लिए हैं। गौरतलब है कि गोपालगंज क्षेत्र की नाखरे गली निवासी नारायण सिंह ठाकुर ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उनकी पत्नी साधना ठाकुर की अज्ञात व्यक्तियों द्वारा हत्या कर दी गई है। घर से सोने-चांदी के आभूषण एवं नगदी रकम चोरी हो गई है। घटना की

गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक विकाश कुमार शाहवाल द्वारा गंभीर अपराध की त्वरित एवं प्रभावी जांच करने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक लोकेश कुमार सिंहा एवं नगर पुलिस अधीक्षक ललित कश्यप के मार्गदर्शन में थाना गोपालगंज पुलिस ने हत्या के इस जघन्य अपराध का पर्दाफाश कर आरोपियों को गिरफ्तार किया।

पिता ने जताया था संदेह

नारायण सिंह ने हत्या का संदेह अपने पुत्र अजय सिंह ठाकुर पर व्यक्त किया था। पुलिस अधीक्षक ने तत्काल टीम गठित कर आरोपी की तलाश प्रारंभ की। गठित टीम सीसीटीवी फुटेज, सायबर सेल एवं तकनीकी साक्ष्यों का सूक्ष्म विश्लेषण कर आरोपी तक पहुँची। पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि उसने अपने दोस्त राहुल उर्फ देव यादव पिता रमेश चन्द्र यादव निवासी देवास मप्र के साथ मिलकर अपनी सौतेली मां की हत्या की योजना बनाई थी। दोनों ने मिलकर वारदात को अंजाम दिया और सोने-चांदी के आभूषण एवं नगदी रकम लेकर सागर से फरार हो गए। पुलिस ने आरोपियों से चोरी गया सामान एवं नगदी बरामद कर लिया है। घटना का खुलासा करने में

बच्चे के कान से सोने की बाली नोच कर भागा

गुना। राधा कॉलोनी में एक शख्स 9 साल के बच्चे के कान से सोने की बाली नोच कर भाग गया। वारदात का सीसीटीवी फुटेज सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में दिखाई दे रहा है कि 2 नाबालिग बच्चे साथ में कहीं जा रहे हैं तभी पीछे से एक शख्स उनके पास आता है और एक बच्चे के कुछ कहता है। बदमाश चंद सेकेंड में बच्चे के कान पर झपट पड़ता है और बेरहमी से कान की बाली छीनने लगता है।

पश्चिम मध्य रेल

शुद्धिपत्र संख्या 36/2025

निविदा सं. 20255022, जिसके खुलने की तिथि 26/08/2025 थी, जो कि इस कार्यालय की निविदा नोटिस सं. EPS/88/2025 के तहथ प्रकाशित की गई थी इसमें निम्न संशोधन किए गए हैं।–**Tender No. & Short Description :** 20255022 Description:- IP बेस्ड वीडियो सर्विलांस सिस्टम फॉर रोलिंग स्टॉक., **From :** 26/8/2025, **To :** 09/09/2025, अद्धतन एवं पूर्ण जानकारी के लिए वेबसाईट **https://www.ireps.gov.in** देखें

(हस्ता)
कृते प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक
पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

मेट्रो एंकर | कठिन व्रत के साथ महिलाएं आज मना रही हैं हरतालिका तीज का पर्व

हाथों की शोभा ही नहीं, त्यौहारों की रौनक को भी बढ़ाती है मेहंदी

तेन्दूखेड़ा/दमोह। दोपहर मेट्रो

हरितालिका त्योहार को लेकर महिलाएं उत्साहित हैं। आज महिलाएं दिन भर कठिन निराहार रहकर व्रत करेंगी तो वहीं देर शाम को भगवान शंकर पार्वती का पूजन-अर्चन किया जाएगा।

इस व्रत में महिलाएं श्रंगार करके पूजन में शामिल होती हैं। उनका मानना है कि इससे उन्हें सौभाग्य की प्राप्ति होती है। इस श्रृंगार की शुरूआत हाथों में मेहंदी लगाने से हो चुकी है।

ट्रेंड में फिंगर और झरोखा पैटर्न

मेहंदी में फिंगर वर्क ट्रेंड में है। इसमें एक हाथ में 7 से 10 फिगर डिजाइन किए जाते हैं। हरितालिका के मौके पर माता पार्वती और शिव की आकृति डिजाइन की है। रजवाड़ा स्टाइल की मेंहदी डिजाइन की डिमांड ज्यादा है। जिसमें महिलाएं हाथों पर मारवाड़ी ,जयपुरिया, राजस्थानी स्पेशल जरदोजी डिजाइन शामिल हैं।

–**रिचा सोनी** तेन्दूखेड़ा

हरियाली तीज भारतीय संस्कृति का एक प्रमुख और पारंपरिक पर्व है, जिसे विशेष रूप से विवाहित महिलाएं श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाती हैं। इस पर्व की खास परंपरा है- मेहंदी लगाना, जो न केवल श्रृंगार का अंग है, बल्कि इसका गहरा धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व भी है।

–**मनीषा पटेल** तेन्दूखेड़ा

मेहंदी लगाना केवल श्रृंगार नहीं, बल्कि माता पार्वती के प्रेम, तपस्या और सौभाग्य की परंपरा को जीवित रखने का माध्यम है, जो महिलाओं को आस्था, शक्ति और प्रेम में अडिग रहने की प्रेरणा देता है। मै पिछले कई सालों से परिवार की सुख-शांति के लिए हरितालिका व्रत रख रही हूं।

–**ज्योति साहू** तेंदूखेड़ा

सोलह श्रृंगार का उपयोग एक महिला की व्यक्तिगत आभा और आत्मविश्वास को बढ़ाता है। हरतालिका तीज में सोलह श्रृंगार का विशेष महत्व है। हर विवाहित महिलाओं को सोलह श्रृंगार के साथ गौरी शंकर की पूजा-आराधना करनी चाहिए।

–**अर्चना राय** तेन्दूखेड़ा

कार्यालय क्षेत्रसंचालक, सतपुडा टाइगर रिजर्व नर्मदापुरम, म.प्र.

Phone No. 07574-254394 (O) Fax, 07574-252133 E-mail: fdsatnp.hbd@mp.gov.in

6699 **सामग्री क्रय हेतु निविदा आमंत्रण सूचना** 13/08/25

ई-निविदा विज्ञप्ति

सतपुडा टाइगर रिजर्व के अंतर्गत वर्ष 2025-26 विभिन्न योजना अंतर्गत अधीनस्थ परिक्षेत्रों में विभागीय कार्य हेतु ईट (चिमनी) क्रय सामग्री क्रय करने के लिए प्रदायकर्ताओं से ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा दस्तावेज मध्य प्रदेश के www.mptenders.gov.in में प्रकाशन दिनांक से दिनांक 30.08.2025 को सायं 05.00 बजे तक ऑनलाइन क्रय किये जा सकते है।

क्र.	विवरण	
1.	निविदा प्रपत्र की उपलब्धता	निविदा प्रपत्र बेवसाइट www.mptenders.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है।
2.	निविदा प्रपत्र का मूल्य	500/- रूपये (पांच सौ रूपये मात्र)
3.	धरोहर राशि	30,000/- रूपये (तीस हजार रूपये मात्र)
4.	निविदा प्रपत्र की ऑनलाइन उपलब्धता	www.mptenders.gov.in में प्रकाशन दिनांक से
5.	ऑनलाइन निविदा जमा करने की अंतिम तिथी एवं समय	दिनांक 30.08.2025 को सायं 05.00 बजे तक
6.	निविदा खोलने की तिथी व समय	दिनांक 01.09.2025 को प्रातः 11.00 बजे

G17714/25

(ऋषिभा सिंह नेताम)
भा.व.से
उपसंचालक, सतपुडा टाइगर रिजर्व नर्मदापुरम

जोकोविच अमेरिकी ओपन के दूसरे दौर में

न्यूयॉर्क। नोवाक जोकोविच थके हुए दिखे, चोटिल और उम्रदराज भी लेकिन इन सभी बाधाओं से पार पाकर अमेरिकी ओपन के पहले दौर में जीत दर्ज की। 24 बार के ग्रैंडस्लैम चैम्पियन जोकोविच ने अमेरिकी ओपन के पहले दौर में जीत का रिकॉर्ड 19- 0 कर लिया और पैर की तकलीफ के बावजूद लर्नर टियेन को 6-1, 7-6, 6-2 से मात दी। जोकोविच ने दूसरे सेट में कई बार अपना हाथ घुटने पर रखा और फिर उन्हें उपचार भी लेना पड़ा। तीसरे सेट के पहले गेम में अपनी सर्विस टूटने के बाद उन्होंने अगले पांच गेम जीतकर वापसी की।

उन्होंने जीत के बाद कहा ,पता नहीं क्या हुआ। मुझे कोई चोट भी नहीं लगी है लेकिन परेशानी हो रही थी। विम्बलडन सेमीफाइनल में यानिक सिनेर से हारने के बाद यह उनका पहला मैच था। अड़तीस बरस के इस धुरंधर ने पहला सेट सिर्फ 24 मिनट में जीता लेकिन करीब एक घंटे तक चले दूसरे सेट में थके हुए दिखे। तीसरे सेट में उन्होंने वापसी की और ग्रैंडस्लैम के पहले दौर में लगातार 75वां मैच जीता।

एरिना सबालेंका दूसरे दौर में – गत चैम्पियन एरिना सबालेंका ने स्विटरलैंड की रेबेका मासारोवा से मिली कड़ी चुनौती का सामना करके 7-5, 6-1 से जीत के साथ अमेरिकी ओपन के दूसरे दौर में प्रवेश कर लिया। तीन बार की ग्रैंडस्लैम चैम्पियन और दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी सबालेंका इस साल पहले तीन ग्रैंडस्लैम में खिताब नहीं जीत सकी हैं।

वापसी पर मीराबाई चानू ने बिखेरी चमक, राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप में जीता स्वर्ण

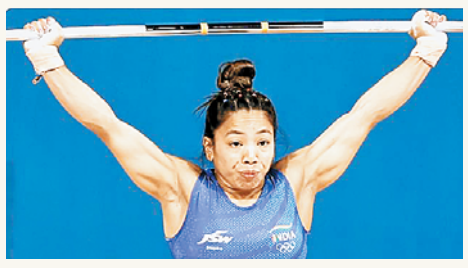

अहमदाबाद। टोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता भारत की स्टार महिला भारोत्तोलक मीराबाई चानू ने वापसी पर चमक बिखेरी। चानू ने सोमवार को राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता। चानू ने महिला 48 किलो भार वर्ग में इस दौरान क्लीन और जर्क मिलाकर कुल 193 किलो (84+109 किलो) का भार उठाया और शीर्ष स्थान हासिल किया। 31 वर्षीय चानू ने पिछले साल पेरिस ओलंपिक में हिस्सा लिया था और इसके बाद से वह चोटों से जूझती रहीं। मीराबाई से राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करने की उम्मीद थी और उन्होंने आशा के अनुरूप ही प्रदर्शन किया। मीराबाई ने 2028 लॉस एंजिलिस खेलों के लिए नए ओलंपिक भार वर्ग लागू होने के बाद 49 किग्रा से 48 किग्रा में जाने का फैसला किया था। मीराबाई ने इस 48 किग्रा भार वर्ग में अपना विश्व चैंपियनशिप खिताब और दो राष्ट्रमंडल खेलों के पदक जीते हैं, लेकिन उन्होंने सोमवार से पहले 2018 के बाद से इसमें प्रतिस्पर्धा नहीं की थी।

अद्रियान का जूनियर पुरुष 3पी में एशियाई रिकॉर्ड

ऐश्वर्य प्रताप ने एशियन शूटिंग चैंपियनशिप में जीता गोल्ड, 25 स्वर्ण के साथ भारत टॉप पर

शिमकेंट , एजेंसी

भारत के ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर ने 16वें एशियाई निशानेबाजी चैंपियनशिप के 50 मीटर मेंस राइफल 3 पोजीशन (3पी) इंडिविजुअल इवेंट में गोल्ड मेडल जीता। उन्होंने फाइनल में 462.5 स्कोर किया। कजाकिस्तान के शिमकेंट में चल रही चैंपियनशिप में ऐश्वर्य ने शुरू से ही बढ़त बना ली। पहले पांच शॉट्स (नीलिंग पोजीशन) के बाद वे आगे निकल गए और फिर लगातार अपनी बढ़त को मजबूत करते रहे। 13वें शॉट के बाद झाओ और ऐश्वर्य के बीच केवल 0.3 अंकों का अंतर था।

ऐश्वर्य ने 14वें शॉट में 10.8 का स्कोर बनाकर फिर से एक अंक से ज्यादा की बढ़त हासिल की, जो अंत तक बनी रही। उन्होंने 0.5 अंकों के अंतर से गोल्ड मेडल जीता। जापान के नाओया ओकाडा (448.8) ने ब्रॉन्ज मेडल जीता, जबकि चैन सिंह (435.7) और अखिल श्योरान (424.9) क्रमशः चौथे और पांचवें स्थान पर रहे। भारत के तीनों शूटरों ने फाइनल के लिए क्वालिफाई किया पुरुष 3पी स्पर्धा में भारत के तीनों निशानेबाजों ने फाइनल के लिए क्वालिफाई किया। ऐश्वर्य ने 584 अंकों के साथ तीसरा स्थान हासिल कर सबसे ऊंचा क्वालिफिकेशन स्कोर बनाया। अनुभवी निशानेबाज चैन सिंह 582 अंकों के साथ पांचवें स्थान पर रहे, जबकि विश्व चैंपियनशिप ब्रॉन्ज मेडल विजेता अखिल श्योरान ने 581 अंकों के साथ सातवां स्थान प्राप्त किया। ऐश्वर्य इस टूर्नामेंट में दूसरी बार गोल्ड मेडल जीता ऐश्वर्य का इस टूर्नामेंट में यह दूसरा गोल्ड है। वह एक सिल्वर और एक ब्रॉन्ज मेडल भी जीत चुके हैं। चीन के झाओ वेन्यू ने सिल्वर और जापान के नाओया ओकाडा ने ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया।

जूनियर में अद्रियान और वेदांत ने भारत को मेडल दिलाए – जूनियर के मेंस राइफ थ्री पोजीसन में भारत को दो मेडल मिले। अद्रियान ने गोल्ड और वेदांत ने ब्रॉन्ज मेंडल जीता। फाइनल में अद्रियान ने शानदार शुरूआत की। पहले 15 शॉट्स (नीलिंग पोजीशन) के बाद उन्होंने चीन के हान यिनान पर 0.9 अंकों की बढ़त बना ली। इस समय वेदांत छठे स्थान पर थे। दूसरी पोजीशन (प्रोन) के 10 शॉट्स के बाद वेदांत ने वापसी की और अद्रियान से केवल 0.4 अंक पीछे थे। अद्रियान ने फिर भी अपनी बढ़त को 1.4 अंक तक बढ़ाया और अंतिम स्टैंडिंग पोजीशन में शानदार प्रदर्शन जारी रखा। स्टैंडिंग पोजीशन में वेदांत को एक समय मेजबान निशानेबाज ओलेग नोस्कोव से पिछड़ना पड़ा, लेकिन उन्होंने फिर से वापसी की। दूसरी ओर, अद्रियान ने अंतिम पांच शॉट्स में 10.8, 10.2, 10.4, 10.5 और 10.5 का स्कोर बनाकर न केवल गोल्ड मेडल जीता, बल्कि एशियाई जूनियर रिकॉर्ड भी स्थापित किया।

मनु 25 मी. पिस्टल में चौथे स्थान पर

दो ओलंपिक पदक जीत चुकी भारतीय निशानेबाज मनु भाकर एशियाई निशानेबाजी चैम्पियनशिप में सोमवार को महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में चौथे स्थान पर रही जबकि जूनियर वर्ग में भारतीयों का दबदबा रहा। भारत की ही ईशा सिंह आठ महिलाओ के फाइनल में छठे स्थान पर रही। मनु ने 25 स्कोर किया और तीसरे स्थान पर रही ।

अद्रियान ने 463.8 के स्कोर के साथ एशियाई रिकॉर्ड बनाते हुए गोल्ड जीता

वेदांत ने दूसरे और अद्रियान आखिरी स्थान पर रहकर फाइनल के लिए क्वालिफाई किया जूनियर पुरुष 3ढ स्पर्धा में भारत के वेदांत वाघमारे ने 582 अंकों के साथ क्वालिफिकेशन में दूसरा स्थान हासिल किया, जबकि अद्रियान कर्मकार 576 अंकों के साथ आठवें और अंतिम क्वालिफाइंग स्थान पर रहे। अन्य भारतीय निशानेबाज समी उल्लाह खान (575), रोहित कन्याण (575), गौरव देसाले (569) और हितेश श्रीनिवासन (564) क्वालिफिकेशन में जगह नहीं बना सके। हालांकि, वेदांत, अद्रियान और रोहित की तिकड़ी ने 1733 के कुल स्कोर के साथ जूनियर टीम इवेंट में गोल्ड मेडल जीता।

वियतनाम की तू विन्ह त्रिन्ह से चार अंक पीछे रही।

महिला जूनियर 25 मीटर पिस्टल फाइनल में भारत की पायल खत्री को 36 के स्कोर के साथ स्वर्ण पदक मिला जबकि नाम्या कपूर (30) ने रजत और तेजस्विनी (27) ने कांस्य पदक जीता। इन तीनों ने 1700 अंक के साथ टीम वर्ग में भी रजत पदक अपने नाम किया। कोरिया को स्वर्ण और कजाखस्तान को कांस्य पदक मिला। नाम्या और तेजस्विनी क्वालीफिकेशन में पहले दो स्थान पर रही जबकि पायल छठे स्थान पर रही थी। इससे पहले सीनियर वर्ग में चीन की यूयू झांग ने स्वर्ण और जियारूइशुआन शियाओ ने रजत पदक जीता। मनु, ईशा और सिमरनप्रीत कौर बरार की भारतीय तिकड़ी ने 1749 के कुल स्कोर के साथ कांस्य पदक अपने नाम किया । वे चीन और दक्षिण कोरिया से पीछे रहे।

यूएस ओपन: शानदार जीत के साथ दूसरे दौर में पेगुला, पाओलिनी और अजारेंका

न्यूयॉर्क , एजेंसी

चौथी वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला ने मिस्र की मेयर शेरिफ को 6-0, 6-4 से शिकस्त देकर यूएस ओपन के दूसरे दौर में प्रवेश कर लिया है। यह मुकाबला एक घंटे 15 मिनट तक चला। अब जेसिका पेगुला का सामना एन्ना ब्लिंकोवा से होगा, जिन्होंने पहले दौर के एक अन्य मुकाबले में यूलिया स्टारोडुबत्सेवा को 6-3, 6-1 से हराया।

ऐश स्टेडियम में जेसिका पेगुला और मेयर शेरिफ के बीच खेले गए इस मुकाबले में पेगुला ने शानदार शुरुआत की। उन्होंने पहला सेट 6-0 से अपने नाम किया। दूसरे सेट में, शेरिफ ने अपनी लय पकड़ी और अमेरिकी खिलाड़ी की सर्विस तोड़कर 4-1 की बढ़त बना ली। हालांकि, पेगुला ने अपनी लय वापस पाते हुए जीत दर्ज की। इस बीच, सातवीं वरीयता प्राप्त जैस्मिन पाओलिनी ने क्वालीफायर डेस्टेनी ऐवा को 6-2, 7-6(4) से हराकर यूएस ओपन के दूसरे दौर में प्रवेश किया। पहला सेट 6-2 से जीतने के बाद, पाओलिनी को दूसरे सेट में ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी को हराने के लिए काफी मेहनत करनी पड़ी। दोनों खिलाड़ियों ने अपनी सर्विस बचाकर सेट को टाईब्रेकर में पहुंचाया। एक अन्य मुकाबले में न्यूयॉर्क में अपने करियर का 18वां मैच खेल रहीं विक्टोरिया अजारेंका ने कोर्ट नंबर 12 पर अमेरिकी क्वालीफायर हीना इनोउए को 7-6(0), 6-4 से शिकस्त दी। अजारेंका ने दो घंटे चार मिनट तक चले मुकाबले में 35 विनर्स लगाए, जबकि इनोउए के 14 विनर्स थे। विंबलडन के बाद पहला मैच खेल रहीं अजारेंका ने थकान और मेन ड्रॉ डेब्यू करने वाली खिलाड़ी की चुनौती को पार करते हुए यूएस ओपन में अपनी 49वां करियर जीत दर्ज की। अब दूसरे दौर में उनका सामना अनास्तासिया पावल्युचेंकोवा या दयाना यास्त्रेम्स्का से होगा।

शाकिब टी-20 में 500 विकेट लेने वाले पांचवें गेंदबाज बने

एंटिगुआ। बांग्लादेश के दिग्गज ऑलराउंडर शाकिब अल हसन टी-20 क्रिकेट में 500 विकेट लेने वाले दुनिया के पांचवें गेंदबाज बन गए हैं। शाकिब ने कैरेबियन प्रीमियर लीग में सेंट किट्स एंड नेविस पैट्रियट्स के खिलाफ एंटिगुआ एंड बारबुडा फाल्कन्स की ओर से खेलते हुए यह अचीवमेंट हासिल की। शाकिब ने दो ओवर की गेंदबाजी में 11 रन देकर 3 विकेट झटके। उनके गेंदबाजी से फाल्कन्स ने 7 विकेट की जीत हासिल की। टीम पॉइंट टेबल में टॉप पर बरकरार है। इस मैच से पहले शाकिब को 500 विकेट पूरे करने के लिए सिर्फ एक विकेट की जरूरत थी, जो उन्होंने अपनी छठी गेंद पर हासिल कर लिया। पैट्रियट्स टीम के 4 बैटर्स दहाई तक नहीं पहुंचे पहले बल्लेबाजी करने उतरी पैट्रियट्स की टीम 133/9 बना सकी। पैट्रियट्स की बल्लेबाजी शुरू से ही लड़खड़ा गई। मोहम्मद रिजवान (30 गेंदों पर 26 रन) और एविन लुईस (31 गेंदों पर 32 रन) को छोड़कर कोई भी बल्लेबाज टिक नहीं सका। टीम के चार बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू पाए, जबकि तीन बल्लेबाज रन आउट हुए।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

फैंस का इंतजार खत्म! सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी का टीजर 2 अक्टूबर को होगा आउट

मुंबई। सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी में अभिनेता वरुण धवन और जाह्नवी कपूर को एक बार फिर साथ देखने के लिए फैंस उत्साहित हैं। वहीं, मेकर्स भी उत्सुकता बढ़ाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। पहले उन्होंने सोशल मीडिया पर फिल्म का पोस्टर साझा किया था और अब टीजर की जानकारी देते हुए एक वीडियो पोस्ट किया है।

मेकर्स ने इंस्टाग्राम पर फिल्म की रिलीज डेट के साथ एक वीडियो पोस्ट किया है, जिसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, मंडप सजेगी, महफिल जमेगी...पर सनी और तुलसी की एंट्री सारी स्क्रिप्ट बदल देगी। टीजर 28 अगस्त गुरुवार को रिलीज होगा। फिल्म सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी 2 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

फैंस उनकी पोस्ट देखकर काफी उत्साहित नजर आ रहे हैं। वहीं, कमेंट सेक्शन पर वे हार्ट और फायर जैसी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। एक यूजर ने कमेंट में लिखा, इंतजार नहीं कर सकते। दूसरे यूजर ने लिखा, सुपर एक्साइटेड, सन्नी। एक और यूजर ने लिखा, फाइनली अब हम वरुण को फिर से रोमांटिक कॉमेडी फिल्म में देख पाएंगे। अन्य यूजर ने लिखा, आपकी फिल्म को देखने के लिए बहुत उत्साहित हैं। इसी के साथ ही वीडियो को वरुण धवन, सान्या मल्होत्रा, जाह्नवी कपूर, रोहित श्राफ, मनीष पॉल और करण जौहर ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया है। बता दें, फिल्म की रिलीज डेट पर कई बार बदलाव किए गए हैं। शशांक खेतान के निर्देशन में बनी फिल्म सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी में एक बार फिर वरुण और जान्हवी स्क्रीन स्पेस शेयर करते नजर आएंगे। इससे पहले दोनों ने साल 2023 में आई फिल्म बवाल में साथ काम किया था। फिल्म में अक्षय, जाह्नवी और वरुण के अलावा अक्षय ओबेरॉय, रोहित सराफ, सान्या मल्होत्रा और मनीष पॉल भी अहम किरदार में हैं।

मेट्रो बाजार

चालू वित्त वर्ष में दोपहिया वाहन खंड में छह से नौ प्रतिशत की वृद्धि की उम्मीद

नई दिल्ली। घरेलू दोपहिया वाहन खंड में चालू वित्त वर्ष 2025-25 में सालाना आधार पर छह से नौ प्रतिशत की वृद्धि दर्ज होने की उम्मीद है। रेटिंग एजेंसी इक्रा ने सोमवार को यह बात कही। रिपोर्ट में कहा गया स्थिर प्रतिस्थापन (रिप्लेसमेंट) मांग, शहरी खपत में सुधार, सामान्य मानसून से ग्रामीण आय में वृद्धि तथा माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की दरों में संभावित कमी से वृद्धि को समर्थन मिलने की संभावना है। इक्रा ने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 के लिए उद्योग का परिदृश्य सकारात्मक बना हुआ है, जिसे अनुकूल मांग से सहायता मिलेगी तथा अनुमानित जीएसटी कटौती से वृद्धि को गति देने के लिए अतिरिक्त प्रोत्साहन मिल सकता है। इसमें कहा गया कि जुलाई, 2025 में दोपहिया वाहनों की घरेलू थोक बिक्री सालाना आधार पर नौ प्रतिशत बढ़कर 15 लाख इकाई हो गई। मूल उपकरण विनिर्माताओं (ओईएम) ने आगामी त्योहारों से पहले आपूर्ति में सुधार किया है।

इक्रा ने कहा कि पिछले महीने खुदरा बिक्री में सालाना आधार पर 6.5 प्रतिशत की कमी आई, क्योंकि कमजोर शहरी मांग एवं भारी वर्षा के कारण ग्रामीण क्षेत्रों में आवाजाही प्रभावित हुई जिससे बिक्री पर असर पड़ा। इसमें कहा गया कि निर्यात में लगातार वृद्धि हो रही है तथा जुलाई में इसमें वार्षिक आधार पर 32 प्रतिशत की अच्छी वृद्धि दर्ज की गई।

फिटनेस आइकन कृष्णा को शोहरत पाने से पहले करनी पड़ी थी नौकरी, रह चुकी बास्केटबॉल कोच

फिटनेस आइकन, एंटरप्रेन्योर और सोशल मीडिया पर्सनालिटी के रूप में पहचान बनाने से पहले कृष्णा श्रॉफ एक ऐसे क्षेत्र में काम करती थीं, जिसकी उम्मीद बहुत कम लोग करते। श्रॉफ नाम से जुड़ी चकाचौंध और शोहरत से बहुत पहले, कृष्णा ने अपना पहला वेतन बास्केटबॉल कोच के रूप में कमाया था – एक ऐसा खेल जिसके प्रति वह बचपन से ही जुनूनी रही हैं।

एथलेटिक्स और टीम डायनामिक्स के प्रति उनके प्रेम ने उन्हें स्वाभाविक रूप से कोर्ट की ओर आकर्षित किया, जहाँ उन्होंने न केवल खेला बल्कि बच्चों को प्रशिक्षित भी किया। एक ऐसी इंडस्ट्री में जहाँ अक्सर सेलिब्रिटी बच्चों को फिल्मों या फैशन की दुनिया में तुरंत जगह मिल जाती है, कृष्णा ने स्पॉटलाइट से दूर हट कर अपना अलग रास्ता चुना। बास्केटबॉल कोचिंग उनके लिए सिर्फ एक नौकरी नहीं थी, बल्कि नेतृत्व, संवाद कौशल और अनुशासन जैसे गुणों को विकसित करने का माध्यम भी थी, जो आज भी उनके जीवन और करियर को आकार दे रहे हैं।

यह काम उनके आत्मनिर्भर स्वभाव और अपने उपनाम से मिलने वाले विशेषाधिकारों पर निर्भर रहने के बजाय, अपनी शर्तों पर कमाने की उनकी इच्छा को भी दर्शाता है और उनकी एथलेटिक क्षमता को निखारने की बात तो छोड़ ही दीजिए, जो उनके मौजूदा रियलिटी शो छोरियाँ चली गांव में उनके काम आ रही है। आज कृष्णा श्रॉफ फिटनेस इंडस्ट्री में एक जाना-पहचाना नाम हैं। वह अपने भाई टाइगर श्रॉफ और मां आयशा श्रॉफ के साथ MMA मैट्रिक्स जिम फ्रैंचाइज़ी की मालकिन हैं। फिटनेस वेंचर्स और सोशल मीडिया पर उनकी दमदार उपस्थिति के बावजूद, उनके करियर की नींव उसी बास्केटबॉल कोचिंग के अनुभव ने रखी थी। वास्तव में, बास्केटबॉल कोर्ट से लेकर बिजनेस वेंचर्स तक कृष्णा श्रॉफ ने यह साबित कर दिया है कि सफलता हमेशा रेड कार्पेट से शुरू नहीं होती – कभी-कभी इसकी शुरुआत एक सीटी और प्लेबुक के साथ होती है।

फिच ने भारत की रेटिंग स्टेबल आउटलुक के साथ *बीबीबी* पर रखी बरकरार

नई दिल्ली। फिच रेटिंग्स ने भारत की क्रेडिट रेटिंग स्टेबल आउटलुक के साथ बीबीबी- पर बरकरार रखी है, जो देश की मजबूत आर्थिक वृद्धि और बाहरी वित्तीय स्थिति के समर्थन में है। रेटिंग एजेंसी ने कहा, पिछले दो वर्षों में गति धीमी होने के बावजूद, भारत का आर्थिक परिदृश्य प्रतिस्पर्धियों की तुलना में मजबूत बना हुआ है।

फिच रेटिंग्स ने एक रिपोर्ट में कहा, हमारा अनुमान है कि मार्च 2026 (वित्त वर्ष 26) में जीडीपी वृद्धि 6.5 प्रतिशत रहेगी, जो वित्त वर्ष 25 से अपरिवर्तित रहेगी और बीबीबी मीडियन 2.5 प्रतिशत से काफी ऊपर रहेगी। फिच का अनुमान है कि अमेरिकी टैरिफ वृद्धि का भारत की जीडीपी वृद्धि पर सीधा प्रभाव मामूली रहेगा क्योंकि अमेरिका को निर्यात जीडीपी का केवल 2 प्रतिशत है। उसका यह भी मानना है कि दोनों देशों के बीच व्यापार वार्ता पूरी होने के बाद डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन द्वारा की गई 50 प्रतिशत टैरिफ वृद्धि को अंततः कम कर दिया जाएगा। भारत की आर्थिक वृद्धि, वृहद स्थिरता और बेहतर होती राजकोषीय विश्वसनीयता के साथ, प्रति व्यक्ति जीडीपी सहित इसके संरचनात्मक मानकों में लगातार सुधार लाएगी। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि इससे मध्यम अवधि में भारत के ऋण में मामूली गिरावट की संभावना बढ़ सकती है। हालांकि, रेटिंग एजेंसी ने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा भारत पर टैरिफ में की गई बढ़ोतरी को अपने पूर्वानुमान के लिए मध्यम नकारात्मक जोखिम मानते हुए निजी निवेश में कमी आने की उम्मीद जताई है।

बाइक भिड़ी दो लोग गंभीर घायल, घटना के एक महीने बाद रिपोर्ट

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

बिलखिरिया थाना क्षेत्र में दो बाइक के बीच हुई भिड़ंत में दो लोगों को गंभीर चोट आई थी। दोनों घायलों ने इलाज कराने के बाद जब मामले में समझौता नहीं हुआ तो थाने जाकर रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने एक्सीडेंट का काउंटर केस दर्ज किया है।

जानकारी के अनुसार राजेश गुप्ता (48) पीरिया मोहल्ला बिलखिरिया में रहते हैं और स्वयं का व्यवसाय करते हैं। बीती 26 जुलाई की शाम करीब सवा सात बजे वह अपने बेटे मंयक को बाइक पर बिठाकर घर लौट रहे थे। पलक गार्डन के पास पहुंचने पर सामने से आ रही एक मोटरसाइकिल के चालक ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी, जिससे मयंक को गंभीर चोट आई थी, जबकि राजेश को मुंदी चोट आई। टक्कर मारने वाली बाइक पर संदीप सिंह ठाकुर (31) निवासी खजूरीकला अवधपुरी सवार थे। वह प्लम्बरिंग का काम करते हैं। घटना के समय वह अपनी ड्यूटी समाप्त करने के बाद बाइक से घर लौट रहे थे, तभी पलक गार्डन के पास उनकी बाइक राजेश की बाइक से टकरा गई थी। इस हादसे में संदीप को भी गंभीर चोट आई थी। पहले दोनों के बीच समझौते की बात हुई थी, लेकिन जब समझौता नहीं हुआ तो दोनों ने थाने जाकर एक-दूसरे के खिलाफ एक्सीडेंट की रिपोर्ट दर्ज करवा दी। पुलिस मामले की जांच कर रही है। इधर बैरसिया इलाके में एक तेज रफ्तार बाइक चालक ने इलेक्ट्रिक स्कूटर को टक्कर मार दी, जिससे स्कूटर सवार दंपति गंभीर रूप से घायल हो गये। अस्पताल में इलाज कराने के बाद घायल ने थाने जाकर एक्सीडेंट की रिपोर्ट दर्ज कराई। घनश्याम दांगी (35) ग्राम सेमराकला में रहते हैं। बीती तेईस अगस्त की दोपहर करीब डेढ़ बजे वह अपनी पत्नी रामसखी बाई का इलाज कराने के लिए बैरसिया जा रहे थे। ग्राम सेमरा जोड़ पर पहुंचने पर सामने से आ रहे एक बाइक चालक ने उनकी स्कूटर को टक्कर मार दी, जिससे घनश्याम और उनकी पत्नी स्कूटर समेत सड़क पर गिरकर घायल हो गए। अस्पताल से छुट्टी होने के बाद घनश्याम ने थाने जाकर टक्कर मारने वाले बाइक चालक के खिलाफ केस दर्ज करवाया।

आखिरी बार दोपहर 3.55 पर देखे गए थे, रानी कमलापति पार्किंग में मिली स्कूटर

हबीबगंज नाका पर ट्रेन से कटे बुजुर्ग की हुई पहचान, जांच शुरू

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

बागसेवनिया थाना क्षेत्र स्थित पुराना हबीबगंज नाके से पुलिस ने रविवार शाम एक क्षत विक्षत शव बरामद किया था। घटनास्थल से मिले मोबाइल और विजिटिंग कार्ड से मृतक की पहचान सराफा बाजार में काम करने वाले कारीगर के रूप में कर ली गई। परिजन को शव पीएम के बाद सौंप दिया गया है। उन्होंने आत्महत्या क्यों की इसकी जांच की जा रही है।

एसआई भारत सिंह मीणा ने बताया कि रविवार शाम पुराना हबीबगंज नाका के पास से एक क्षत विक्षत शव बरामद किया गया था। शव चार पांच हिस्सो में पड़ा था। बमुश्किल शव बरामद कर पीएम के लिए भेजा गया।

घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद पुलिस को स्क्रीन टूटा हुआ मोबाइल और विजिटिंग कार्ड मिला। विजिटिंग कार्ड पर कॉल किया गया तो पता चला कि मृतक कमलेश कौशल (74) मकान नंबर 35, जानकी नगर लालघाटी के रहने वाले थे। वे सराफा मार्केट में आभूषण ठीक करने का काम करते थे। परिजन को शव मचूर्री में दिखवाया गया। उनके बेटा दुखी था और उसने शव देखने से मना कर दिया। बाद में मृतक के कपड़े उनके भाई और पत्नी को दिखाए गए। उन्होंने कपड़े के आधार पर कमलेश की पहचान कर ली गई।

फाइल फोटो

आभूषण कारीगर निकला मृतक

शाम से थे लापता

परिजन ने बताया कि कमलेश रविवार शाम से लापता थे। आखिरी बार वे 3.55 पर सीसीटीवी कैमरे में देखे गए। इधर रात करीब साढ़े 12 बजे पुलिस को उनकी स्कूटर रानी कमलापति रेलवे स्टेशन पर बंसल वन मॉल के पास मिल गई। अनुमान है कि बंसल वन मॉल के पास स्कूटर खड़ी करने के बाद वह पैदल रेलवे ट्रैक पर निकल गए थे। इसके बाद उन्होंने ट्रेन से कटकर आत्महत्या कर ली।

भतीजे के घर आए ताऊ की सड़क हादसे में मौत

भोपाल। जहांगीराबाद थाना क्षेत्र स्थित डी मार्ट के पास सड़क पार करते समय अज्ञात आटो ने बुजुर्ग को टक्कर मार दी। गंभीर रूप से घायल बुजुर्ग को हमीदिया अस्पताल ले जाया गया था। टक्कर लगने से उन्हें सिर और शरीर में गंभीर चोट थी। इलाज के दौरान सोमवार शाम उनकी मौत हो गई। वे नरसिंहपुर से भोपाल कुम्हारपुरा में अपने भतीजे के घर रिश्तेदारी में आए थे, तभी उनके साथ हादसा हो गया। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस के अनुसार भगत सिंह उमरेले, सांईखेड़ा, जिला नरसिंहपुर के रहने वाले थे। गत 18 अगस्त को वह अपने भतीजे राकेश कुमार के घर कुम्हारपुरा, राज टाकीज के पीछे जहांगीराबाद आए थे। 21 अगस्त की दोपहर करीब 1 बजे वह घर से घूमने जाने का कहकर निकले थे। इसके बाद शाम करीब तीन बजे हमीदिया अस्पताल से कॉल आया। कॉलर ने बताया कि उनका डी मार्ट के पास एक्सीडेंट हो गया है और वह हमीदिया अस्पताल में भर्ती है। राकेश अस्पताल पहुंचा और अपने ताऊ भगत सिंह से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने बताया कि डी मार्ट के सामने वह सड़क पार कर रहे थे, तभी किसी अज्ञात आटो ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर लगने से उन्हें गंभीर चोट आई थी।

बुजुर्ग व्यक्ति की कार को बस ने मारी टक्कर

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

अशोका गार्डन इलाके में एक तेज रफ्तार बस के चालक ने आगे चल रही बुजुर्ग व्यक्ति की कार को टक्कर मार दी, जिससे कार क्षतिग्रस्त हो गई। जानकारी के अनुसार सुरेंद्र कुमार जैन (65) रिटायर्ड कर्मचारी हैं और ऐशबाग में रहते हैं। बीती बाईस अगस्त की रात करीब आठ बजे वह अपनी इलेक्ट्रिक कार से रेलवे स्टेशन से घर लौट रहे थे। अशोका गार्डन स्थित अस्सी फीट रोड पर पीछे से आ रहे बस चालक ने उनकी कार में टक्कर मार दी, जिससे कार का पिछले हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। बस चालक ने जब कार नहीं ठीक कराई तो सुरेंद्र ने थाने जाकर एक्सीडेंट की रिपोर्ट दर्ज करवाई।

फाइल फोटो

कार की टक्कर से बाइक सवार दो युवक घायल

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

अयोध्या नगर इलाके में एक कार ने बाइक को टक्कर मार दी, जिससे बाइक सवार दो युवक घायल हो गए। जानकारी के अनुसार सौरभ श्रीवास्तव (22) छोला रोड पर रहते हैं और निजी कंपनी में काम करते हैं। बीती तेईस अगस्त को वह अपनी बाइक से दोस्त के साथ जेके रोड स्थित आफिस से घर जाने के लिए निकले थे। दोनों मिनाल गेट नंबर पांच के पास पहुंचे, तभी भानपुर की तरफ से आ रहे एक तेज रफ्तार कार ने कट पाइंट पर उनकी बाइक को टक्कर मार दी, जिससे दोनों युवक सड़क पर गिरकर घायल हो गए। पुलिस ने टक्कर मारने वाले कार चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

बीकानेर सुपरफास्ट एक्सप्रेस में यात्री के हाथ से मोबाइल झपटा

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

राजधानी के भोपाल स्टेशन के पूर्व आउटर पर धीमी गति से चल रही बीकानेर सुपरफास्ट एक्सप्रेस में मोबाइल झपटने का मामला सामने आया है। दरअसल, बुजुर्ग यात्री सीट पर बैठकर मोबाइल चला रहे थे, तभी एक युवक ने उनके हाथ से मोबाइल झपटा और चलती ट्रेन से कूदकर भाग निकला। जीआरपी भोपाल ने यात्री की शिकायत पर अज्ञात आरोपी के खिलाफ झपटमारी का मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार त्रिवेन्द्र कुमार गुप्ता (59) आदर्श नगर, कोतवाली बारां जिला बारां, राजस्थान में रहते हैं। उन्होंने जीआरपी को शिकायत करते हुए बताया कि बीकानेर सुपरफास्ट एक्स के पीछे के जनरल कोच में रायपुर से कोटा की यात्रा कर रहे थे। यात्रा के दौरान वे सीट पर बैठकर मोबाइल चला रहे थे। भोपाल स्टेशन आने से 5 मिनट पहले जब ट्रेन धीमी गति से चल रही थी, तभी एक अज्ञात युवक अचानक उनके हाथ पर झपट्टा मारकर मोबाइल छीनकर चलती ट्रेन से भाग निकला। उनका कहना है कि वे युवक का ठीक से चेहरा नहीं देख सकें हैं। झपटे गए मोबाइल की कीमत 10 हजार रुपए बताई जा रही है।

दिल्ली में रहकर पढ़ाई कर रहा था मृतक, रक्षा बंधन में आया था भोपाल

बाइक डिवाइडर से टकराई, भेल अधिकारी के बेटे की मौत

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

बिलखिरिया थाना क्षेत्र स्थित कापोर्रेट कॉलेज सड़क पर रविवार देर रात बाइक डिवाइडर से टकराने के कारण भेल अधिकारी का बेटा गंभीर रूप से घायल हो गया। उसके दोस्त उसे गंभीर अवस्था में उसे एम्स लेकर पहुंचे थे, वहां कुछ देर चले इलाज के बाद उसकी मौत हो गई। मृतक दिल्ली में रहकर पढ़ाई कर रहा था और रक्षा बंधन की छुट्टी में भोपाल आया था। रविवार रात दोस्तों के साथ अलग अलग बाइक से वह घूमने निकला था। इस दौरान तेज बाइक चलाने के कारण हादसा हो गा। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है।

पुलिस के अनुसार निखिल मीणा पिता उमाशंकर मीणा (24) बरखेड़ा पठानी में रहता था। उसके पिता उमाशंकर मीणा भेल में अधिकारी हैं। इन दिनों उनकी पोस्टिंग सिंगरोली में है। निखिल दिल्ली में रहकर पढ़ाई कर रहा था। अभी रक्षा बंधन के अवसर पर वह छुट्टी लेकर भोपाल अपने घर आया था। परिजन ने बताया कि रविवार शाम वह दोस्तों के साथ निकला था। इसके बाद रात में उसके साथ हादसा हो गया। पुलिस ने बताया कि निखिल के दोस्तों से पूछताछ की गई तो उन्होंने बताया कि वह अलग अलग बाइक पर थे और कॉपोर्रेट कॉलेज की तरफ घूमने गए थे, वहां से लौटते समय तीनों अपनी अपनी बाइक पर थे। निखिल बाइक पर आगे था। वह काफी तेज बाइक चला रहा था। बाइक अनियंत्रित होने के बाद फिसली और डिवाइडर में टकराई थी। डिवाइडर से बाइक टकराने के कारण निखिल को सिर में गंभीर चोट आई थी।

महिलाओं पर किया चाकू से हमला

गौतम नगर पुलिस ने एक महिला की रिपोर्ट पर आरोपी युवक के खिलाफ चाकूबाजी का मामला दर्ज किया है। आरोपी ने अकारण ही पीड़िता और उसे बचाने पहुंची महिला पर चाकू से हमला कर दिया था। जानकारी के अनुसार गौतम नगर में रहने वाली 33 वर्षीय महिला प्रायवेट काम करती है। रविवार की रात करीब साढ़े नौ बजे जहीर नामक युवक महिला के घर के सामने अकारण ही गाली-गलौज कर रह रहा था। महिला ने उसे ऐसा करने से मना किया तो उसने चाकू से हमला कर दिया। इसी दौरान पड़ोस में रहने वाली महिला बीच-बचाव करने पहुंची तो उस पर चाकू से हमला कर दिया। दोनों महिलाओं की मेडिकल रिपोर्ट मिलने के बाद पुलिस ने आरोपी जहीर के खिलाफ चाकू बाजी का केस दर्ज कर लिया है।

चूना भट्टी चौराहे पर तेज रफ्तार कार ने ऑटो को मारी टक्कर, आरोपी फरार

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

चूनाभट्टी चौराहा पर रविवार-सोमवार की दरमियानी रात आटो में टक्कर मारने वाले तेज रफ्तार कार चालक का सुराग नहीं लगा है। टक्कर इतनी जोरदार थी कि ऑटो सड़क पर दो तीन बार पलट गया। आसपास मौजूद लोगों ने गंभीर रूप से घायल ऑटो चालक को जेपी अस्पताल भेजा था, वहां इलाज के दौरान मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस अस्पताल पहुंची थी। घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे चेक कर आरोपी कार चालक की तलाश कर रही है।

पुलिस के अनुसार चर्च रोड जिंसी जहांगीराबाद निवासी फैयाजउद्दीन पिता कमरूद्दीन (45) सवारी ऑटो चलाते थे। रविवार-सोमवार की दरमियानी रात वह अपने ऑटो से चूनाभट्टी की ओर से अपने घर की ओर आ रहे थे। उसी दौरान चूनाभट्टी चौराहा पर तेज रफ्तार कार के चालक ने लापरवाही से गाड़ी चलाते हुए ऑटो को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि ऑटो उछलकर पलटियां खाते हुए दूर जा गिरा। सिर में आई गंभीर चोटों के कारण फैयाजउद्दीन को जेपी अस्पताल भेजा गया था। वहां कुछ देर बाद ही उनकी मौत हो गई। इधर, मृतक के भाई अमीनउद्दीन ने फैयाजउद्दीन की मौत को संदिग्ध बताया है। उनका कहना है कि घटनास्थल को लेकर पुलिस ही फिलहाल संशय की स्थिति में है। आरोपी चालक और कार को पुलिस अब तक तलाश नहीं कर सकी है। बताया जा रहा है कि मृतक के परिवार में पत्नी के अलावा दो बेटी व दो बेटे हैं।

मेट्रो एंकर | पुलिस कमिश्नर ने मीटिंग में कहा, सार्वजनिक क्षेत्रों में बढ़ाएं विजिबिलिटी

प्रतिमा स्थल पर सीसीटीवी कैमरे लगाना अनिवार्य

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

गणेश उत्सव, डोल ग्यारस और ईद मीलाद उन नबी के दौरान शांति व सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस कमिश्नर हरिनारायणाचारी मिश्र ने सभी राजपत्रित अधिकारियों व थाना प्रभारियों के साथ मीटिंग की और उन्हें विशेष दिशा-निर्देश दिए। कमिश्नर ने कहा कि गणेश प्रतिमा स्थलों पर अनिवार्य रूप से सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं और सोशल मीडिया पर भी नजर रखें।

फाइल फोटो

पुलिस कमिश्नर मिश्र ने थाना क्षेत्र में स्थापित होने वाली प्रतिमाओं की थाना प्रभारियों से विस्तृत जानकारी ली और चल समारोह व जुलूस मार्ग, विसर्जन स्थल, प्रतिमा व पंडाल सुरक्षा, आम लोगों की सुरक्षा व्यवस्था सीसीटीव्ही कैमरे, लाइटिंग, जुलूस व्यवस्था, प्रतिमा विसर्जन घाट व्यवस्था व त्योहार में नगर रक्षा समिति का सहयोग आदि बिन्दुओं पर विस्तृत चर्चा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। साथ ही सभी थाना प्रभारियों को निर्देशित किया कि प्रतिमा स्थलों वाले क्षेत्रों में देर रात तक लगातार गश्त करेंगे और असामाजिक तत्वों पर नजर रखें। अपराधों की रोकथाम के लिए अवैध शराब तस्कर, आर्म्स तस्कर, मादक पदार्थ, जुआ व सट्टा के खिलाफ लगातार कार्यवाही करें और निगरानी बदमाशों व आदतन अपराधियों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्यवाही करें। सोशल मीडिया पर नजर रखें और किसी भी अप्रिय घटना की सूचना पर तत्काल कंट्रोल रूम व आला अधिकारियों को सूचित करें। मीटिंग में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अवधेश गोस्वामी, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त पंकज श्रीवास्तव, पुलिस उपायुक्त रियाज इकबाल, पुलिस उपायुक्त जितेंद्र पवार, पुलिस उपायुक्त अखिल पटेल, पुलिस उपायुक्त संजय अग्रवाल, पुलिस उपायुक्त श्रद्धा तिवारी, पुलिस उपायुक्त सोनाक्षी सक्सेना, पुलिस उपायुक्त शशांक और सभी अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त, सहायक पुलिस आयुक्त व सभी थाना प्रभारी मौजूद रहे।

एप्पल के नाम से बेचे जा रहे 1200 नकली मोबाइल कवर बरामद

भोपाल। टीटी नगर थाने के पास न्यू मार्केट इलाके में पुलिस ने एक साथ चार मोबाइल दुकानों पर छापेमारी कर एप्पल कंपनी के नाम से बेचे जा रहे करीब 1200 नकली मोबाइल कवर बरामद किए हैं। बरामद मोबाइल कवर की कीमत साढ़े पांच लाख रुपए बताई जा रही है। पुलिस ने एप्पल कंपनी का लोगो लगे कुछ ईयर बर्ड भी जब्त किए हैं। पुलिस ने चारों दुकानों के संचालकों के खिलाफ कॉपी राइट एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर नोटिस दिए गए हैं। पुलिस के मुताबिक विशाल सिंह जडेजा एप्पल कंपनी के अधिकृत कर्मचारी हैं जो कंपनी के लोगो लगे नकली माल बेचने वाली दुकानों पर नजर रखते हैं। उन्होंने टीटी नगर थाने में शिकायत की थी कि न्यू मार्केट में एक साथ लगी चार दुकानों में एप्पल कंपनी का लोगो लगे नकली कवर एप्पल कंपनी के नाम से बेचे जा रहे हैं। सूचना मिलते ही रविवार दोपहर पुलिस ने टीम के साथ दुकानों पर छापे की कार्रवाई कर दी। पुलिस ने चारों दुकानों से एप्पल कंपनी का लोगो लगे 12 सौ नकली मोबाइल कवर बरामद किए हैं। इसके अलावा पुलिस ने नकली ईयर बर्ड भी जब्त किए हैं।

पश्चिम मध्य रेल

शुद्धिपत्र संख्या 37/2025

निविदा सं. 81255293, जिसके खुलने की तिथि 14/08/2025 थी, जो कि इस कार्यालय की निविदा नोटिस सं. EPS/88/2025 के तहथ प्रकाशित की गई थी इसमें निम्न संशोधन किए गए हैं।–**Tender No. & Short Description :** 81255293 Description:- थिक वेब स्विच, **From :** 25/8/2025, **To :** 08/09/2025, अद्धतन एवं पूर्ण जानकारी के लिए वेबसाईट **https://www.ireps.gov.in** देखें

(हस्ता)

कृते प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक

पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022